RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 243 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 01-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस ने असम के युवाओं की प्रतिभा, क्षमताओं का दुरुपयोग किया : राजनाथ

6 नक्सलवाद से यूँ ही मुक्त नहीं हुआ देश

7 ओटीटी पर अभिनेत्रियों के लिए ज्यादा अच्छे किरदार : भूमि पेडनेकर

फर्स्ट टेक

ओरेकल ने भारत में 12,000 कर्मचारियों को हटाया

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी आईटी कंपनी ओरेकल ने भारत में लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है और एक महीने के भीतर छंटनी का दूसरा दौर भी शुरू होने का अनुमान है। पीड़ित कर्मचारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वैश्विक स्तर पर ओरेकल ने करीब 30,000 कर्मचारियों की छंटनी की है। भारत में करीब 30,000 कर्मचारियों को रोजगार देने वाली ओरेकल ने इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। प्रभावित कर्मचारियों के मुताबिक, कंपनी ने ईमेल के जरिये उन्हें सूचित किया कि संगठनात्मक बदलावों के कारण कई पद अप्रासंगिक हो जाएंगे। ओरेकल ने भारत में एक साल से अधिक सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को 15 दिन का वेतन बोनस के रूप में देने की पेशकश की है। इसके अलावा, उन्हें सेवा-समाप्ति तिथि तक एक महीने का वेतन (बिना भुगतान वाला), छुट्टियों का भुगतान, पात्रता के अनुरूप ग्रेच्युटी और एक महीने के नोटिस पीरियड का भुगतान भी मिलेगा। इसके अतिरिक्त स्वेच्छा से कंपनी छोड़ने वाले कर्मचारियों को कंपनी ने दो महीने का अतिरिक्त वेतन भी देने की सूचना दी है।

बस्तर में 35 नक्सलियों ने समर्पण किया

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में मंगलवार को 35 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह आत्मसमर्पण केंद्र सरकार की वामपंथ उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) को खत्म करने की 31 मार्च की समय सीमा से ठीक कुछ घंटे पहले हुआ। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि इनमें से 25 कैडर माओवादियों की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) से जुड़े थे और उनमें 12 महिलाएं हैं।

जापान ने तैनात कीं लंबी दूरी की मिसाइलें

टोक्यो/एपी। जापान की लंबी दूरी की मिसाइलों को देश के दक्षिण-पश्चिमी सेना शिविर में तैनात किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जापान का यह कदम अपनी आक्रमक क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में उठाए जा रहे प्रयास का हिस्सा है। यह कदम जापान की स्वयं की रक्षा के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता को दर्शाता है। जापान की मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित व निर्मित उन्नत टाइप-12 लैंड-टू-शिप मिसाइलें, जो जमीन से समुद्र में जहाज को निशाना बनाने में सक्षम हैं, कुमामोटो प्रांत के कैंप केन्गुन में अब परिचालन में आ गई हैं। रक्षामंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी ने संवाददाताओं से कहा, जापान द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे गंभीर और जटिल सुरक्षा माहौल का सामना कर रहा है... ऐसे में यह (मिसाइल) जापान की प्रतिरोधक क्षमता और जवाबी कार्रवाई की क्षमता को मजबूत करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

पश्चिम एशिया संघर्ष का फायदा उठाने के लिए

‘राजनीतिक गिद्ध’ की तरह घात लगाए हुए है कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थराद (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जहां दुनिया युद्ध, अशांति और ईंधन की बढ़ती कीमतों का सामना कर रही है वहीं भारत ने अपनी मजबूत विदेश नीति और अपने लोगों की एकजुटता के कारण इस स्थिति का मुकाबला प्रभावी ढंग से किया है।

मोदी ने कांग्रेस पर लोगों में दहशत फैलाने का आरोप लगाया ताकि लोग पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लगा सकें। उन्होंने मुख्य विपक्षी पार्टी की तुलना ‘राजनीतिक गिद्धों’ से करते हुए कहा कि वह (पश्चिम एशिया युद्ध से उत्पन्न) स्थिति का राजनीतिक फायदा उठाने की फिराक में है।

मोदी ने गुजरात के वाव थराद जिले के नानी गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, अशांति और बढ़ती ईंधन कीमतों से जूझ रही है, भारत ने अपनी मजबूत विदेश नीति और अपने लोगों की एकजुटता के कारण स्थिति को प्रभावी ढंग से संभाला है।’’

उन्होंने कहा कि कुछ दल, विशेषकर कांग्रेस, राष्ट्रीय एकता का समर्थन करने के बजाय दहशत और भय फैलाकर स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

मोदी ने कहा, ‘‘आज कांग्रेस लोगों को उकसाने में व्यस्त है। राजनीतिक गिद्धों की तरह, यह (कांग्रेस) स्थिति के बिगड़ने की प्रतीक्षा कर रही है ताकि इसका फायदा उठाकर राजनीतिक बढ़त हासिल की जा सके।’’

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, लेकिन केंद्र सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इसका बोझ आम जनता पर न पड़े। उन्होंने कहा, ‘‘कांग्रेस देश में अफरा-तफरी का माहौल बनाना चाहती है। वह उम्मीद कर रही है कि लोग पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर कतार लगाने के लिए विवश हो जाएंगे।’’

मोदी ने कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बनकर उभरेगा। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम एशिया की परिस्थितियों ने हर देश को प्रभावित किया है, लेकिन भारत ने स्थिति को अच्छी तरह से संभाला है।

स्टालिन ने तिरुवरूर में चुनाव प्रचार की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवरूर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए मंगलवार को अपना प्रचार अभियान शुरू किया और अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी की आलोचना करते हुए कहा कि उनके पास कोई दीर्घकालिक दृष्टिकोण नहीं है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख ने अपनी पार्टी और सहयोगी दलों के उम्मीदवारों का औपचारिक रूप से परिचय कराते हुए और उनके लिए समर्थन मांगते हुए आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का एकमात्र उद्देश्य तमिलनाडु के विकास में बाधा डालना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजग का उद्देश्य द्रविड़ मॉडल के तहत हुए विकास को खत्म करना है। स्टालिन ने कहा, ‘‘राजग का यही उद्देश्य है। राजग का नेतृत्व करने वाली भाजपा ने अन्नाद्रमुक को इसलिए खरीदा है क्योंकि तमिलनाडु में हमारे खिलाफ लड़ने की ताकत उनके पास नहीं है।’’

उन्होंने कहा, ‘‘तमिलनाडु में राजग की हार निश्चित है। विधानसभा चुनाव तमिलनाडु और दिल्ली-राजग के बीच की लड़ाई है।’’

स्टालिन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख पलानीस्वामी को आसानी से डराकर पार्टी को अपने ‘‘गुलाम गठबंधन’’ में फंसा लिया। द्रमुक की रैली के बाद, मुख्यमंत्री स्टालिन तिरुवरूर की सड़कों पर घूमे और लोगों से बातचीत करते हुए वोट मांगे।

पलानीस्वामी और राजग पर निशाना साधा

द्रमुक सुप्रीमो स्टालिन के वाहन की चुनावी उड़न दस्ते ने की जांच

तंजावुर। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन की गाड़ी को यहां चुनावी अभियान के दौरान चुनाव संबंधी उड़न दस्ते ने रोककर जांच की। इस दौरान वह प्रदेश के तिरुवरूर जिले में चुनाव प्रचार के लिए जा रहे थे। स्टालिन ने तिरुवरूर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनावी अभियान की मंगलवार को शुरूआत की । इसके कुछ ही देर बाद उनके वाहन की जांच की गयी । तिरुवरूर उनके दिवंगत पिता एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके एम करुणानिधि का गृहनगर है। द्रमुक की ओर से जारी वीडियो में देखा जा सकता है कि मुख्यमंत्री गाड़ी में बैठे रहे जबकि अधिकारी उनकी गाड़ी की तलाशी लेते रहे। संक्षिप्त जांच के बाद स्टालिन को मतदाताओं से मिलने के लिए अपनी यात्रा जारी रखने की अनुमति दी गई। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा।

वैश्विक व्यवस्था के लोकतंत्रीकरण में नालंदा परंपरा प्रभावी भूमिका निभा सकती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नालंदा शब्द ही भारत की बौद्धिक विरासत और सांस्कृतिक वैभव की स्मृतियां जगाता है। इस संस्थान में उस परंपरा का पुनर्जीवन केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया के उदय का संकेत है।

राजगीर/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, जहां अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था अधिक लोकतांत्रिक होती नजर आ रही है तथा विभिन्न संस्कृतियों और समाजों की बढ़ती मुखरता के कारण दुनिया अब एक नए एवं अधिक बहुध्रुवीय स्वरूप की ओर अग्रसर है।

जयशंकर बिहार के राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

विदेश मंत्री ने कहा, दुनिया तेजी से बहुध्रुवीय होती जा रही है, क्योंकि अब कई अन्य समाज एवं संस्कृतियां अपनी आवाज प्रभावी ढंग से उठा रही हैं। ऐसे समय में नालंदा की परंपरा वैश्विक व्यवस्था के लोकतंत्रीकरण को नई दिशा देने में एक सशक्त प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि यह शिक्षा का ऐसा केंद्र था, जहां दूर-दूर से विद्यार्थी और विद्वान आते थे। उन्होंने कहा, नालंदा शब्द ही भारत की बौद्धिक विरासत और सांस्कृतिक वैभव की स्मृतियां जगाता है। इस संस्थान में उस परंपरा का पुनर्जीवन केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया के उदय का संकेत है।

मलयालम फिल्म निर्देशक रंजीत को यौन उत्पीड़न मामले में हिरासत में लिया गया

कोच्चि/भाषा। मलयालम फिल्म जगत के जाने-माने निर्देशक रंजीत को यौन उत्पीड़न के प्रयास के एक मामले में मंगलवार शाम हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि एक महिला अभिनेत्री की शिकायत के बाद रंजीत को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि रंजीत ने फिल्म सेट पर उसके यौन उत्पीड़न का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि रंजीत को इडुक्की जिले से हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि निर्देशक ने फिल्म की शूटिंग के दौरान उसे एक वैन में बुलाया और उसका यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया।

पुलिस ने सोमवार को रंजीत के खिलाफ एक मामला दर्ज किया और वह फिलहाल थोडुपुझा में पुलिस हिरासत में हैं। पुलिस ने बताया कि रंजीत को जल्द ही कोच्चि पुलिस को सौंपा जा सकता है।

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न के सभी फॉर्म अधिसूचित

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) के सभी फॉर्म अधिसूचित कर दिए हैं। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 की आय के लिए रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आयकर विभाग ने मंगलवार को आईटीआर-2, 3, 5, 6 और 7 के साथ अद्यतन रिटर्न दाखिल करने के लिए आईटीआर-यू फॉर्म को भी अधिसूचित किया।

इसके पहले आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म 30 मार्च को अधिसूचित किए गए थे। इन फॉर्म का इस्तेमाल छोटे और मध्यम करदाता करते हैं। व्यक्तिगत करदाताओं और खातों का ऑडिट आवश्यक नहीं होने वाले करदाताओं के लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। आईटीआर-1 (सहज) और आईटीआर-4 (सुगम) अपेक्षाकृत सरल फॉर्म हैं, जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं के लिए हैं। सहज फॉर्म को ऐसे निवासी व्यक्ति भर सकते हैं जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपए तक है।

और जिनकी आय वेतन, एक मकान, अन्य स्रोत (ब्याज) एवं 5,000 रुपए तक की कृषि आय से होती है। वहीं, सुगम फॉर्म ऐसे व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और फर्म (एलएलपी को छोड़कर) के लिए है, जिनकी कुल वार्षिक आय 50 लाख रुपए तक है और जिनकी आय व्यवसाय या पेशे से होती है।

01-04-2026 सूर्यास्त 6:20 बजे	02-04-2026 सूर्योदय 6:04 बजे
BSE 71,947.55 (-1,635.67)	NSE 22,331.40 (-488.20)
सोना 15,395 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 239,000 रु. प्रति किलो

ईरान के खिलाफ अभियान अभी खत्म नहीं हुआ : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

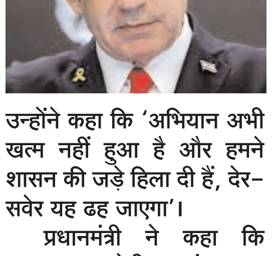

यरुशलम/भाषा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि ईरान के शासन के खिलाफ इजराइल का अभियान ‘अभी खत्म नहीं हुआ है’। नेतन्याहू ने दावा किया कि अमेरिका के साथ संयुक्त अभियानों ने ईरानी शासन की जड़ें ‘हिला दी’ हैं।

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ संयुक्त हमले शुरू किए थे, जिसका जवाब देते हुए ईरान ने भी हमले किए। इससे युद्ध पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैल गया।

नेतन्याहू ने कहा, अमेरिका के साथ संयुक्त अभियान के एक महीने के भीतर हम उस आतंक के शासन को कुचल रहे हैं, जो ‘अमेरिका मुर्दाबाद, इजराइल मुर्दाबाद’ के नारे लगा रहा था। उन्होंने कहा कि ‘अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है और हमने शासन की जड़े हिला दी हैं, देर-सवेर यह ढह जाएगा’।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इजराइल नए क्षेत्रीय गठबंधन बना रहा है। उन्होंने कहा,मुझे उम्मीद है कि जल्द ही मैं इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ बने नए गठबंधनों के बारे में और अधिक जानकारी साझा कर पाऊंगा।

नेतन्याहू ने ईरानी शासन की आलोचना करते हुए कहा, अयातुल्ला शासन ने हमें मिटाने के लिए वर्षों में लगभग एक ट्रिलियन डॉलर खर्च किए। वह एक ट्रिलियन डॉलर बर्बाद हो गए।

तेल की ऊंची कीमतों से परेशान देश अपना तेल स्वयं हासिल करें : ट्रंप

दुबई/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि तेल की ऊंची कीमतों से परेशान देश अपने तेल का इंतजाम स्वयं करें क्योंकि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन सहयोगियों के प्रति अपनी निराशा जतायी जोकि महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को फिर से खोलने में अमेरिका की मदद करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने लिखा, ‘‘अपने तेल का स्वयं इंतजाम करें।’’

ईरान के इस्फहान परमाणु केंद्र पर अमेरिका का हमला

दुबई/एपी। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच मंगलवार तड़के अमेरिकी हमले में ईरान के इस्फहान शहर में स्थित एक परमाणु ठिकाने को निशाना बनाया गया, जबकि तेहरान ने जवाबी कार्रवाई में दुबई तट के पास एक कुवैती तेल टैंकर पर हमला किया। इन घटनाओं ने क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। खबर के अनुसार, इस्फहान में हुए हमले के बाद आसमान में काफी ऊंचाई तक आग फैलती हुई दिखी।

इराक में अमेरिकी पत्रकार का अपहरण

बगदाद/एपी। इराक के बगदाद में एक अमेरिकी पत्रकार का मंगलवार को अपहरण कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इराक के गृह मंत्रालय ने एक बयान में बताया एक विदेशी पत्रकार का अपहरण कर लिया गया है। उसने पत्रकार के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। गृह मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा बलों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पता लगाने के लिए एक अभियान शुरू किया है। बयान में कहा गया है कि एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है और अपहरण में इस्तेमाल किए गए वाहनों में से एक को जब्त कर लिया गया है, लेकिन अन्य अभी भी फरार हैं।

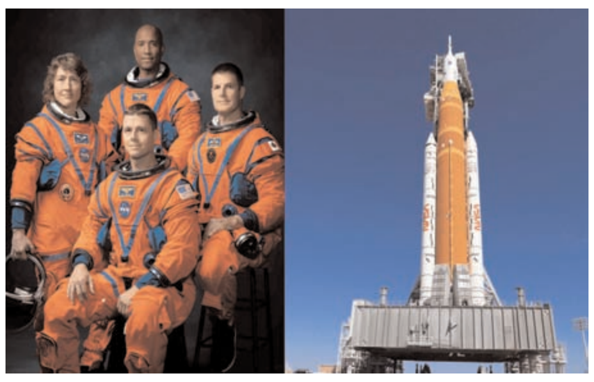

53 साल बाद चंद्रमा मिशन के लिए उडान भरेगा नासा का ‘आर्टेमिस-2’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केप कैनवेरल (फ्लोरिडा)/एपी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 53 वर्षों में पहली बार मानवयुक्त चंद्र मिशन के प्रक्षेपण के लिए उलटी गिनती शुरू कर दी है। ‘आर्टेमिस-2’ मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर विशाल स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट बुधवार शाम प्रक्षेपण के लिए तैयार है।

लगभग 32 मंजिला ऊंचा यह रॉकेट अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा में एक दिन बिताने के बाद ‘ओरियन’ कैप्सूल के जरिए चंद्रमा की ओर लेकर जाएगा। यह मिशन चंद्रमा की कक्षा में उतरने के बजाय उसके चारों ओर घूमकर सीधे पृथ्वी की ओर लौटेगा। करीब 10 दिन की इस यात्रा का समापन प्रशांत महासागर में कैप्सूल के उतरने के साथ होगा।

नासा के अधिकारियों के अनुसार, हालिया मरम्मत कार्यों के बाद रॉकेट पूरी तरह तैयार है और प्रक्षेपण के समय मौसम भी अनुकूल रहने की संभावना है। इससे पहले यह मिशन फरवरी में निर्धारित था, लेकिन हाइड्रोजन ईंधन रिसाव के कारण इसे टालना पड़ा।

रिसाव ठीक करने के बाद हीलियम प्रेशर लाइन में रुकावट आ गई, जिसके चलते रॉकेट को पिछले महीने के अंत में फिर से मरम्मत के लिए ले जाना पड़ा।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

निशानेबाज

दूजों का घर चले फूंकने,
खुद का हाथ जला बैठे।
छलने चले दूसरों को जो,
किस्मत स्वयं छला बैठे।
आँच नहीं जिनके चूल्हे में,
अपनी दाल गला बैठे।
जिनके नहीं निशाने पक्के,
वे भी तीर चला बैठे।।

अशांति का सामना कर रही दुनिया के लिए सम्राट संप्रति संग्रहालय का संदेश जरूरी: प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि गुजरात में नवनिर्मित सम्राट संप्रति संग्रहालय ऐसे समय में शांति और अहिंसा का सशक्त संदेश देता है जब दुनिया अस्थिरता और अशांति की आग में जल रही है।''

वर्तमान वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि संग्रहालय की विरासत और संदेश न केवल भारत के लिए बल्कि मानवता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

महावीर जयंती के अवसर पर गांधीनगर के पास कोबा गांव में श्री महावीर जैन आराधना केंद्र परिसर में स्थित संग्रहालय का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा, हम पिछली सरकारों की गलतियों को सुधार रहे हैं, जो बहुमूल्य पांडुलिपियों को संरक्षित करने में विफल रहीं। उन्होंने कहा, वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां दुनिया अस्थिरता और अशांति की आग में झुलस रही है, इस संग्रहालय की विरासत और संदेश का बहुत महत्व है।'' उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारत की विविधता और एकता की मूल शक्ति को दर्शाता है, जिसमें वेद, पुराण, आयुर्वेद, योग और अन्य दार्शनिक धाराओं को एक साथ लाया गया है। उन्होंने कहा, ''ऐसा सिर्फ भारत में ही संभव है।''

श्री महावीर जैन आराधना केंद्र में स्थित इस संग्रहालय का नाम सम्राट संप्रति महाराज (224-215 ईसा पूर्व) के नाम पर रखा गया है, जो सम्राट अशोक के वंशज और मौर्य वंश के एक शासक थे, जिन्होंने जैन धर्म और अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार-प्रसार किया।

संग्रहालय के पीछे की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्राट संप्रति दर्शन और शासन के बीच की कड़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, सम्राट संप्रति मात्र एक ऐतिहासिक राजा का नाम नहीं हैं। वे भारत के दर्शन को उसके व्यवहार से जोड़ने वाले सेतु का काम करते हैं। विरासत के संरक्षण का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि अतीत में भारत ने ज्ञान का एक विशाल भंडार खो दिया था, जब तक्षशिला और नालंदा जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों को विदेशी आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा कि आक्रमणकारियों ने बहुमूल्य पांडुलिपियों को जला दिया, जिससे मानवता की एक विशाल विरासत नष्ट हो गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बाद के वर्षों में, लोगों ने जो भी बची थीं, उन पांडुलिपियों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपकर उन्हें संरक्षित किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद, पूर्ववर्ती सरकारों ने इस तरह के ज्ञान को संरक्षित करने की जिम्मेदारी को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा, ''स्वतंत्रता के बाद, यह एक राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए थी। अफसोस की बात है कि औपनिवेशिक मानसिकता के कारण, इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।''

उनका इशारा 2014 से पहले की कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों की ओर था। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करके प्राचीन पांडुलिपियों को संरक्षित और डिजिटाइज़ करने के लिए 'ज्ञान भारतम मिशन' शुरू किया है। संप्रति संग्रहालय में सदियों पुरानी दुर्लभ जैन कलाकृतियां और पारंपरिक विरासत वस्तुएं हैं, जिनमें जटिल रूप से गढ़ी गई पत्थर और धातु की मूर्तियां, लघु चित्र, चांदी के रथ, सिक्के और प्राचीन पांडुलिपियां शामिल हैं। इस संग्रहालय में कई विशाल हॉल हैं जिनमें 2,000 से अधिक वस्तुएं रखी गई हैं और यह संग्रहालय आगंतुकों को जैन धर्म के विकास और इसके गहन सांस्कृतिक प्रभाव के बारे में कालानुक्रम आधारित समझ प्रदान करता है।

जम्मू-कश्मीर : सेना ने बारामूला स्कूल के छात्रावास में फंसे 34 लोगों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में भारी बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने से एक स्कूल के छात्रावास में फंसे 30 छात्रों और चार शिक्षकों समेत कुल 34 लोगों को सेना ने मंगलवार को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार रफियाबाद (बारामूला) के वाटरगाम क्षेत्र में लगातार और तेज बारिश के चलते एक नाले का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे स्थानीय स्कूल के छात्रावास में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए और वहां मौजूद 30 छात्र तथा चार शिक्षक फंस गए। उनके सुरक्षित बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा था।

स्थानीय लोगों ने पास में तैनात सेना की इकाई से मदद मांगी, जिसके बाद तुरंत मानवीय सहायता अभियान शुरू किया गया। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और खतरनाक जलस्तर के बावजूद सेना के बचाव दल ने सभी 34 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

सेना ने बचाए गए बच्चों और कर्मचारियों को चिकित्सा देखभाल और जलपान सहित आवश्यक सहायता प्रदान की। इस अभियान में पुलिस, जिला प्रशासन और स्थानीय युवाओं ने भी सेना का सहयोग किया।

वाहनों के प्रवेश कर में बढ़ोतरी के खिलाफ भाजपा ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले यहां सदन के बाहर प्रदर्शन किया और अन्य राज्यों से प्रवेश करने वाले वाहनों के 'टोल टैक्स' में बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग की।

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रवेश कर में बढ़ोतरी ने हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लोगों के बीच तनाव पैदा कर दिया है और खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। उन्होंने आगाह किया कि यदि हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस बढ़ोतरी को तुरंत वापस नहीं लिया, तो पंजाब सीमा के प्रवेश स्थलों पर, राज्य के पंजीकरण नंबर वाले वाहनों को रोका जा सकता है, जिससे लोगों को असुविधा होगी और कानून व्यवस्था प्रभावित होगी। ठाकुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ''मनमाने'' फैसले ले रहे हैं। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने विधानसभा में व्यवस्था के प्रश्न के माध्यम से इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि मंगलवार मध्य रात्रि से प्रवेश कर की नई दरें लागू होने के बाद बुधवार से कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है।

भारत विश्वसनीय सेमीकंडक्टर आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

साणंद (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 21वीं सदी अपने साथ कई चुनौतियां लेकर आई है और संघर्षों के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार आने वाले दशकों के लिए प्रौद्योगिकी और ऊर्जा सुरक्षा की एक मज़बूत नींव रख रही है।

मोदी ने साणंद में केन्स सेमीकॉन के 'आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर' संयंत्र का उद्घाटन किया, और इसके साथ ही वहां उत्पादन शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक बाज़ार में एक भरोसेमंद विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के तौर पर अपनी भूमिका को मज़बूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरह से आज साणंद और सिलिकॉन वैली के बीच एक नया सेतु बन गया है। मोदी ने इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सक्रिय रूप से एक मज़बूत सेमीकंडक्टर तंत्र का निर्माण कर रहा है और साथ ही कच्चे माल के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि जब कोविड महामारी ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित किया तो भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण का केंद्र बनने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत सक्रिय रूप से एक मज़बूत सेमीकंडक्टर तंत्र बना रहा है और साथ ही कच्चे माल के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने के लिए भी महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। पैक्स सिलिका में भारत की भागीदारी इसी प्रयास का एक प्रमाण है। अपने वैश्विक भागीदारों के साथ मिलकर काम करते हुए हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करना है।'' भारत हाल ही में 'पैक्स सिलिका' में शामिल हुआ है। यह अमेरिका के नेतृत्व वाला एक रणनीतिक गठबंधन है जिसे दिसंबर 2025 में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था जिसमें सेमीकंडक्टर, एआई और दुर्लभ मृदा तत्वों पर विशेष ध्यान दिया गया है। मोदी ने कहा, ''इसके अलावा, महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत ने 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन' शुरू किया है।'' उन्होंने यह भी कहा कि यह मिशन महत्वपूर्ण खनिजों के खनन और उत्पादन पर ज़ोर देता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि खनिजों के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए 1,500 करोड़ रुपए की एक योजना शुरू की गई है।

मोदी ने इस साल के बजट में 'रेयर अर्थ कॉरिडोर' की घोषणा का ज़िक्र किया, जिसमें ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे तटीय राज्य शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''यह कॉरिडोर एक एकीकृत नेटवर्क के रूप में कार्य करेगा, जो खनन, शोधन और विनिर्माण तक फैली एक सुदृढ़ मूल्य श्रृंखला का निर्माण करेगा। हमारा उद्देश्य देश के भीतर महत्वपूर्ण खनिजों का एक राष्ट्रीय भंडार स्थापित करना है।''

उत्तराखंड में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की गोलीबारी में मौत होने की घटना का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

देहरादून के राजपुर क्षेत्र में सोमवार को दो कार में सवार लोगों के बीच कथित तौर पर विवाद के दौरान हुई गोलीबारी में सुबह की सैर पर निकले सेना के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर वीके जोशी की मौत हो गई। पुलिस ने इस घटना के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक नाइट क्लब का मालिक भी शामिल है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''देहरादून में मॉर्निंग वॉक पर निकले एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर वी के जोशी जी की दिनदहाड़े निर्मम हत्या साफ बताती है कि उत्तराखंड की कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।'' उन्होंने दावा किया कि सरहद पर देश की रक्षा में जीवन समर्पित करने वाले लोग आज अपने शहर में ही असुरक्षित हैं तथा आम नागरिक और कई समुदाय डर कर जीने को मजबूर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''भाजपा के राज में सिर्फ़ अपराधी बेखौफ और महफ़ूज़ हैं। कभी शांति और सुरक्षा की पहचान रहा हमारा उत्तराखंड, आज भाजपा के ग़ैर-जिम्मेदार नेतृत्व में हिंसा, हत्या और भय के साये में सिमट कर रह गया है।''

छत्तीसगढ़ हुआ नक्सल-मुक्त, राज्य के लिए है यह ऐतिहासिक दिनः विष्णु देव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को कहा कि आखिरकार नक्सलवाद को खत्म किया जा रहा है तथा 31 मार्च की तारीख राज्य के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए साय ने आरोप लगाया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान, पार्टी नेता राहुल गांधी ने कई जगहों पर नक्सलियों के साथ मंच साझा किया था।

साय ने यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से कहा, आज 31 मार्च का दिन छत्तीसगढ़ के लिए बहुत ऐतिहासिक दिन है। आज छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त हो रहा है। इसके लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह नक्सलवाद छत्तीसगढ़ के विकास में बहुत बड़ा बाधक था । केंद्रीय गृहमंत्री ने संकल्प लिया था कि 31 मार्च 2026 तक इसको समाप्त करना है और उनका संकल्प पूरा हुआ है। अब बस्तर क्षेत्र बहुत तेज़ी से विकास करेगा जो 40 वर्षों से विकास से अछूता था। अमित शाह के कल लोकसभा में दिए गए बयान के बारे में पूछे जाने पर कि जब राहुल गांधी ने अपनी यात्रा शुरू की, तो कई वामपंथी इसमें शामिल हो गए थे, साय ने कहा, ''राहुल गांधी ने देश जोड़ो यात्रा निकाली थी लेकिन उस दौरान उन्होंने कई जगहों पर नक्सलियों के साथ मुलाकात की।

कश्मीर की पांच हिमनद झीलों में बाढ़ का खतरा 'बहुत ज्यादा' : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर हिमालय में कम से कम पांच हिमनद झीलों में हिमनद झील में विस्फोट से बाढ़ (जीएलओएफ) का खतरा बेहद अधिक है, भले ही वे तत्काल अस्थिर स्थिति में न हों।

उमर ने विधानसभा सत्र में कहा कि निचले इलाकों में हिमनद झीलों के प्रभाव का मानचित्रण करने के लिए एक प्रारंभिक भू-स्थानिक विश्लेषण किया गया, जिसमें गांदरबल, शोपियां और कुलगाम जैसे जिलों में संभावित बाढ़ मार्गों पर स्थित बस्तियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की पहचान हुई।

कश्मीर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने झील के विस्तार की दर, बांध की स्थिरता और आसपास की स्थितियों जैसे जल-भूआकृतिक संकेतकों का इस्तेमाल करके 155 हिमनद झीलों का आकलन किया। उनका अध्ययन 'जर्नल ऑफ ग्लेशियोलॉजी' में प्रकाशित हुआ। अध्ययन के

मुताबिक, हिमनद झील के फटने से आने वाली भीषण बाढ़ की स्थिति में लगभग 2,704 इमारतें, 15 प्रमुख पुल, सड़क खंड और कम से कम एक जलविद्युत परियोजना प्रभावित हो सकती है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) विधायक तनवीर सादिक ने एक सवाल के जवाब में बताया, अध्ययन में ब्रमसर, चिरसर, नुंदकोल, गांगबल और भागसर झीलों को खतरे के प्रति 'अत्यधिक संवेदनशील' श्रेणी में पाया गया है। हालांकि, अब्दुल्ला ने कहा कि इस तरह का वर्गीकरण किसी आसन्न खतरे का संकेत नहीं देता है, बल्कि केवल विशिष्ट परिस्थितियों में ही विस्फोट की आशंका अधिक होने की तरफ इशारा करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आकलन संवेदनशीलता को समझने और भविष्य में विस्तृत अध्ययनों को प्राथमिकता देने के लिए एक आधार प्रदान करता है।

पश्चिम एशिया युद्ध के बाद से निवेशकों को 51 लाख करोड़ रुपए का नुकसान, सेंसेक्स 11 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के बाद से शेयर बाजार में निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है।

इस दौरान मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 11 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक बाजारों पर युद्ध के व्यापक प्रभाव के कारण निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बाजार से पूंजी निकासी से भी झटका लगा है।

पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से संघर्ष शुरू होने के बाद से बीएसई सेंसेक्स 9,339.64 अंक यानी 11.48 प्रतिशत लुढ़क गया है। शेयर बाजार में आई इस भारी गिरावट के चलते, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण इस दौरान 51,09,498.82 करोड़ रुपए घटकर 4,12,41,172.45 करोड़ रुपए (4,360 अरब डॉलर) पर रहा। बीएसई सेंसेक्स अबतक के सबसे उच्चतम स्तर 86,159.02 अंक से 14,211.47 अंक यानी 16.49 प्रतिशत नीचे आ गया है।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 4.15 प्रतिशत बढ़कर 117.46 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

भारतीय वायु सेना को 1,950 करोड़ रुपए के सौदे में दो 'माउंटेन रडार' मिलेंगे

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय वायु सेना के लिए दो माउंटेन रडार (पहाड़ों पर लगने वाले रडार) और उनसे जुड़े बुनियादी ढांचे की खरीद के लिए सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ 1,950 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय ने कहा कि इन रडार को लगाने और चालू करने से देश की हवाई सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा मज़बूत होगी। मंत्रालय ने यह भी कहा कि इस खरीद से विदेशी उपकरणों पर निर्भरता भी कम होगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए दो माउंटेन रडार, उनसे जुड़े उपकरणों और ज़रूरी बुनियादी ढांचे की खरीद के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ लगभग 1,950 करोड़ रुपए के एक बड़े अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।''

टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस भाजपा में शामिल, इसे 'जिम्मेदारी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले मंगलवार को यहां भाजपा में शामिल हुए टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने कहा कि यह ''महज औपचारिकता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है'' और राष्ट्र की सेवा करने का एक बड़ा अवसर भी है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में उनका स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने उम्मीद जताई कि पार्टी की ओर से पेस अब ''अब राजनीति में बड़ी पारी खेलेंगे।''

पेस (52) रीजीजू और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी सहित वरिष्ठ नेताओं की

मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए।

टेनिस खिलाड़ी ने हाल में कोलकाता में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थीं।

हालांकि, पेस का राजनीति में यह पहला पदार्पण नहीं है। वह 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे और 2022 में गोवा चुनावों के दौरान पार्टी के लिए प्रचार किया था। उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था।

रीजीजू ने कहा कि यह ''गर्व का क्षण'' है कि खेल जगत के ऐसे ''दिग्गज खिलाड़ी और प्रतिष्ठित हस्ती'' राष्ट्र की सेवा के व्यापक उद्देश्य से पार्टी में शामिल हुए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आज लिएंडर पेस का भारतीय जनता पार्टी परिवार में शामिल होना एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 12 वर्षों में खेल क्षेत्र में जो काम किया है, उससे प्रेरित और प्रभावित होकर वह (पेस) औपचारिक रूप से पार्टी के सदस्य के तौर पर हमारे साथ जुड़ गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह वाकई खुशी का क्षण है। मुझे विश्वास है कि अब वह भाजपा की ओर से राजनीति में बड़ी भूमिका निभाएंगे। अपने अनुभव, ज्ञान और प्रतिबद्धता से वह भारत में खेल को और गति देंगे और देश की सेवा करेंगे।''

तमिलनाडु चुनाव : नामांकन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया गत सोमवार से शुरू हो गई है। चुनाव अधिकारियों ने सभी निर्वाचन क्षेत्रों में सुव्यवस्थित और पारदर्शी नामांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, नामांकन दाखिल करने के लिए आने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। एक उम्मीदवार के साथ अधिकतम तीन वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी और इन वाहनों को रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर पार्क करना अनिवार्य है। इसके अलावा, नामांकन पत्र जमा करने के लिए कार्यालय में केवल उम्मीदवार और उनके साथ आने वाले अधिकतम तीन व्यक्तियों को ही प्रवेश करने की अनुमति होगी। नामांकन दाखिल करने के लिए आठ दिन की अवधि आवंटित की गई है लेकिन बीच में पड़ने वाली सार्वजनिक छुट्टियों के कारण केवल चार कार्यदिवस ही नामांकन जमा करने के लिए उपलब्ध होंगे। इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम समय की जटिलताओं से बचने के लिए तदनुसार योजना बनाएं। सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन पत्र जमा करने का विकल्प उपलब्ध कराया है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि उम्मीदवारों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने भरे हुए नामांकन पत्रों की भौतिक प्रतियां व्यक्तिगत रूप से रिटर्निंग ऑफिसर को जमा करनी होंगी।

अधिकारियों ने नामांकन प्रपत्र भरते समय सटीकता के महत्व पर भी जोर दिया है। उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके नाम और अन्य व्यक्तिगत जानकारी सहित सभी विवरण सही ढंग से दर्ज किए गए हों ताकि जांच के दौरान उनका नामांकन खारिज न हो। आगामी चुनावों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में मतपत्रों पर प्रत्येक उम्मीदवार की रंगीन तस्वीर होगी। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए उम्मीदवारों को अपने नामांकन पत्रों के साथ पिछले तीन महीनों के भीतर ली गई एक हालिया तस्वीर संलग्न करनी होगी।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से पहले उम्मीदवारों को अपने प्रमाण पत्रों का विवरण देते हुए एक शपथ पत्र भी जमा करना होगा। नामांकन पत्रों की जांच 7 अप्रैल को होनी है। इसके अलावा, उम्मीदवारों द्वारा अपना नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 9 अप्रैल निर्धारित की गई है। तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव 23 अप्रैल को होने वाले हैं और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। चुनाव अधिकारियों ने कहा है कि नामांकन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं और उम्मीदवारों से आग्रह किया है कि वे परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देशों का पूरी तरह से पालन करें।

हमारे खिलाफ कितनी भी टीम खड़ी हों, हम साबित करेंगे कि द्रमुक और स्टालिन चैंपियन हैं : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मपुरी। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)यह साबित करेगी कि पार्टी और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ही असली चैंपियन हैं, चाहे 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में उसे चुनौती देने के लिए कितनी ही टीम क्यों न खड़ी कर दी जाएं।

उन्होंने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)पर राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)को पैर जमाने में मदद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आगामी चुनाव आत्मसम्मान की भूमि तमिलनाडु और दिल्ली की टीम के बीच एक मुकाबला है।

उदयनिधि ने जिले के पप्पिरेड्डीपट्टी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, चुनाव में हमारे खिलाफ खड़ी कई टीम की परवाह किए बिना, हम साबित करेंगे कि द्रमुक और हमारे मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ही असली चैंपियन हैं।

उन्होंने जनसभा में मौजूद लोगों से सवाल किया, ''क्या आप साबित करेंगे कि द्रमुक और हमारे मुख्यमंत्री ही असली चैंपियन हैं? क्या आप ऐसा कर पाएंगे? क्या आप साबित करेंगे कि आत्मसम्मान की भूमि तमिलनाडु हमेशा दिल्ली के नियंत्रण से बाहर है और राज्य में किसी भी चाटुकार समूह के लिए कोई जगह नहीं है?''उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के सवालों का वहां मौजूद लोगों ने 'हां' में जवाब दिया।

तमिलनाडु में महिलाएं, पुलिस सुरक्षित नहीं : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवकाशी। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ए. के. पलानीस्वामी ने तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मंगलवार को द्रमुक सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि राज्य में महिलाएं और पुलिस सुरक्षित नहीं हैं। पलानीस्वामी ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव संपन्न होने पर अन्नाद्रमुक की सरकार बनने के तुरंत बाद, पार्टी तीन महीने के भीतर गांजा तस्करी को जड़ से खत्म कर देगी।

अन्नाद्रमुक प्रमुख ने जिले में पटाखा और माचिस उद्योग को बढ़ावा देने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने द्रमुक सरकार पर कावेरी-गुंडार नदी को जोड़ने की परियोजना को रोके रखने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी की सरकार बनने पर इसे कार्यान्वित किया जाएगा। पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार के दौरान विरुधुनगर जिले में 400 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि द्रमुक ने इस परियोजना का श्रेय ले लिया।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बार-बार तमिलनाडु आते हैं, लेकिन यहां के लिए धन नहीं देते : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मपुरी। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 'बार-बार' राज्य के दौरों पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि वे राज्य सरकार की ओर से मांगी जा रही राशि आवंटित करने से इनकार करते रहे हैं। उदयनिधि ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं ने राज्य के लिए कोई बड़ी परियोजना नहीं दी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि 'वे तमिलनाडु से भाजपा को बाहर निकाल दें'।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि ने हरूर क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार के ए षणमुगम के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह लगातार तमिलनाडु का दौरा कर रहे हैं, लेकिन वे हमें न तो कोई परियोजना दे रहे हैं और न ही वह धनराशि जो हम मांग रहे हैं। भाजपा को तमिलनाडु से बाहर कर देना चाहिए।''

उदयनिधि ने कहा कि हालांकि द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को 2021 के चुनाव में हरूर सीट पर (अन्नाद्रमुक से) हार मिली थी, लेकिन पार्टी ने निर्वाचन क्षेत्र में विकास की अनदेखी नहीं की और 400 करोड़ रुपये की सड़क अवसंरचना परियोजनाएं, सरकारी अस्पतालों में नए भवन, पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें बनवाई, मंदिर शहर का विकास सुनिश्चित किया और निर्वाचन क्षेत्र में छह करोड़ रुपये की लागत से आईटीआई की स्थापना की। द्रमुक की युवा इकाई के नेता ने कहा, ''पिछली बार हम हरूर सीट हार गए थे। हमें वही गलती नहीं दोहरानी चाहिए। इस बार हमें बड़ी जीत सुनिश्चित करनी होगी। इसलिए, निर्वाचन क्षेत्र में और अधिक विकास के लिए षनमुगम को विधानसभा भेजें।'' पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने कहा, ''तमिलनाडु विकास में अग्रणी है और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दोहरे अंकों की आर्थिक वृद्धि हासिल कर रहा है। केंद्र सरकार का समर्थन न मिलने के बावजूद स्टालिन ही विकास को गति दे रहे हैं। क्या वे (केंद्र) हमें वह धनराशि या परियोजनाएं दे रहे हैं जिनकी हम मांग कर रहे हैं? लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जनता के हित में काम कर रहे हैं।''

ईरोड में धूमधाम से मनाया जा रहा है 'वार्षिक कुंडम' उत्सव

ईरोड। ईरोड जिले के बन्नारी में मंगलवार को वार्षिक कुंडम' उत्सव धार्मिक रीति रिवाज के साथ मनाया जा रहा है। यह लोकप्रिय उत्सव सत्यमंगलम से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित बन्नारीअम्मन मंदिर में तड़के तीन बजे शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया।

तमिलनाडु और कर्नाटक (विशेषकर मैसूरु, कोल्लेहल और चामराजनगर) से आए हजारों श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया। कई श्रद्धालु 'कुंडम' (अग्नि-पथ) पर चले, कुछ किसान अपने मवेशियों के साथ शामिल हुए, जबकि कुछ महिलाएं अपने बच्चों को गोद में लेकर 'कुंडम' से गुजरीं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आयोजन स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

टीवीके के आधव अर्जुन के पास 197 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति

चेन्नई। अभिनेता सह राजनेता विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधव अर्जुन ने 197.52 करोड़ रुपये की कुल चल और अचल संपत्ति घोषित की है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए दाखिल नामांकन पत्र के साथ संलग्न हलफनामे में यह जानकारी दी गई है। अर्जुन चेन्नई के विल्लीवाक्कम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं और उन्होंने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। हलफनामे के अनुसार, अर्जुन ने अपने नाम पर 180.03 करोड़ रुपये की चल संपत्ति घोषित की है, जबकि उनकी पत्नी डेजी अर्जुन के नाम पर 162.14 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

वर्ष 2024-25 के लिए अर्जुन की कुल आय 11.10 करोड़ रुपये और उनकी पत्नी की आय 6.85 करोड़ रुपये बताई गई है। अर्जुन के पास 2.29 करोड़ रुपये का सोना है, जबकि उनकी पत्नी के पास 3.01 करोड़ रुपये का सोना है। इसी के साथ डेजी के पास 60.27 लाख रुपये की चांदी और 6.16 करोड़ रुपये के हीरे के आभूषण हैं।

अर्जुन ने विभिन्न कंपनियों में 2.23 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उनके पास चार वाहन भी हैं, जिनमें 63,332 रुपये की एक स्पोर्ट्स साइकिल शामिल है। अचल संपत्ति के रूप में अर्जुन के पास कोई कृषि भूमि नहीं है लेकिन उनके पास 17.49 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय संपत्ति है। वहीं, डेजी अर्जुन के पास 56.43 करोड़ रुपये की स्व-अर्जित संपत्ति और 26.78 करोड़ रुपये की विरासत में मिली संपत्ति है।

विजयन ने एफसीआरए संशोधन विधेयक पर चिंता जताई, केंद्र की आलोचना की

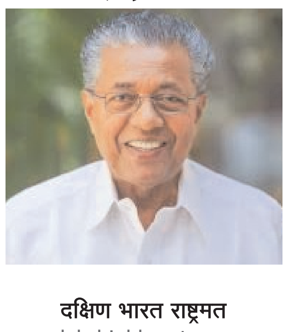

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने एफसीआरए संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार की मंगलवार को आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विधेयक ने समाज के एक वर्ग में असुरक्षा की भावना उत्पन्न कर दी है।

तिरुवनंतपुरम में संवाददाताओं से मुखातिब विजयन ने कहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) में संशोधन एक गंभीर मुद्दा है, जिसने देशभर में अल्पसंख्यक समुदायों के बीच गहरी चिंता उत्पन्न कर दी है। विजयन ने एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर एफसीआरए संशोधन विधेयक के प्रावधानों को वापस लेने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, इससे समाज के एक वर्ग में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो गई है। ऐसे में सरकार की ओर से उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए। लेकिन केंद्र सरकार की ओर से ऐसा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कदमों से समाज के कुछ वर्गों में उत्पन्न हो रही बेचैनी और असुरक्षा की भावना देश के लिए अच्छी नहीं है। विजयन ने कहा कि केंद्र सरकार को ऐसा रुख नहीं अपनाना चाहिए, जिससे समाज का कोई विशेष वर्ग अलग-थलग पड़ जाए। मुख्यमंत्री ने एफसीआरए संशोधन के मुद्दे को लेकर कांग्रेस की भी आलोचना की। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस ने इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट किया है। विजयन ने कांग्रेस पर अपना पुराना नरम हिंदुत्व का रुख बरकरार रखने का भी आरोप लगाया।

भाजपा ने तमिलनाडु में द्रमुक की भ्रष्ट सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी की ओर से केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने 31 मार्च को, राज्य अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ डीएमके सरकार के खिलाफ स्टालिन सरकार आपराधिक पिंजरे में शीर्षक से एक आरोप पत्र जारी किया। इस कार्यक्रम में पूर्व राज्य अध्यक्ष तमिलिसाई सुन्दरराजन, अन्नामलाई, राष्ट्रीय महिला विंग की अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन और भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेताओं ने भाग लिया।

अपराधियों के पिंजरे में स्टालिन की सरकार शीर्षक के तहत, भाजपा ने द्रमुक सरकार द्वारा अपने पांच साल के शासनकाल के दौरान किए गए

विभिन्न अपराधों को सूचीबद्ध किया है और आरोप लगाए हैं। महिलाओं के प्रति द्रमु क की शत्रुतापूर्ण सरकार, द्रमुक शासन के दौरान कानून-व्यवस्था की समस्याएँ, पिछले पाँच वर्षों से तमिलनाडु में व्याप्त मादक पदार्थों की संस्कृति, अनुसूचित जातियों के विरुद्ध डीएमके की पार्टी, डीएमके के लुटेरों का पाँच वर्षीय शासन, द्रमु क के अधूरे चुनावी वादे, भ्रष्ट वित्तीय प्रबंधन वाली द्रमुक सरकार और उसमें व्यापक भ्रष्टाचार व्याप्त है। भाजपा ने उन पर 9 मुद्दों पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया है। आरोप पत्र तैयार करने वाली समिति में रामा श्रीनिवासन उपाध्यक्ष, कराटे थियागराजन राज्य सचिव, डॉ. गायत्री सुरेश उपाध्यक्ष और एम. वेंकटेशन समन्वयक हैं और इस समिति ने यह आरोप पत्र संकलित किया है।

केरल में कांग्रेस, माकपा मैच 'फिक्सर' : भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/(भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्टी पार्टी (माकपा) और कांग्रेस पर ''मैच फिक्सर'' होने और केरल की जनता के साथ ''खेल खेलने'' का आरोप लगाया। नवीन ने लोगों से नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का भी आग्रह किया। भाजपा नेता ने यहां अटिंगल में अपने रोड शो के दौरान और बाद में एक टीवी चैनल से बातचीत में यह आरोप लगाया।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उनसे पूछा गया था कि कांग्रेस और माकपा, दोनों एक-दूसरे पर भाजपा के साथ ''गुप्त समझौता'' करने का आरोप लगा रही है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया, ''वे मैच फिक्सर हैं। वे पिछले कई सालों से केरल की जनता के साथ खेल, खेल रहे हैं। जनता अब बदलाव चाहती है। उन्हें भ्रष्टाचार मुक्त और विकासोन्मुखी सरकार चाहिए और केवल भाजपा ही ऐसा कर सकती है।'' उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) केरल में सरकार बनाएगा। पार्टी ने अटिंगल विधानसभा क्षेत्र से अधिवक्ता पी. सुधीर को उम्मीदवार बनाया है।

शबरिमला सोना चोरी मामला

विजयन ने पूछा-आरोपी राहुल गांधी के घर तक कैसे पहुँचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए उनसे सवाल किया कि शबरिमला सोना चोरी के मामले में आरोपी व्यक्ति कांग्रेस नेता के घर तक कैसे पहुंचा। इससे पहले, गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान शबरिमला सोना चोरी से जुड़े मामले को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ माकपा पर निशाना साधा था। विजयन व्यापक रूप से प्रसारित एक कथित तस्वीर का ज़िक्र कर रहे थे, जिसमें शबरिमला सोना चोरी मामले में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी दिल्ली स्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के आवास पर उनके साथ दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में कुछ अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी दिख रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों ने इस मामले पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल को पहले ही जवाब दे दिया है।

मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब राहुल ने एक दिन पहले पत्तनमथिट्टा ज़िले में विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत शबरिमला सोना चोरी प्रकरण में माकपा नेताओं की कथित भूमिका से संबंधित एक 'पैरोडी' गीत की एक पंक्ति गाई थी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को एक नुक्कड़ सभा में संबंधित गीत की पंक्ति 'स्वर्णम कट्टथु आरप्पा' (अयप्पा का सोना किसने चुराया) गाई। इस गीत का इस्तेमाल संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने कुछ महीने पहले स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान वामपंथी दलों के खिलाफ मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए किया था। इस दौरान भीड़ ने राहुल का उत्साह बढ़ाया।

राहुल द्वारा शबरिमला मुद्दे पर वामपंथी पार्टी को निशाना बनाए जाने के तुरंत बाद, ''मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर एक अभियान शुरू कर दिया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर आरोप लगाए।'' इस संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि कांग्रेस नेता को पहले ही करारा जवाब मिल चुका है, और क्या उन्हें भी वही बात दोहराने की ज़रूरत है। विजयन ने कहा, ''अगर वह इस बारे में सोचें कि चोरी में शामिल वे सभी लोग उनके घर तक कैसे पहुँचे... तो उन्हें इसका जवाब मिल जाएगा। वैसे भी, हममें ऐसी कोई कमी नहीं है।'' कांग्रेस नेता ने रविवार को वाम मोर्चा और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पलक्कड़ के अपने दौरे के दौरान शबरिमला की घटना को भूल गए।

राहुल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने एलडीएफ को नुकसान से बचाने के लिए चुप्पी साध ली।

रवानगी

राजस्थान के देवस्थान मंत्री जोरा राम कुमावत मंगलवार, 31 मार्च 2026 को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत रामेश्वरम जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से लोकल टू ग्लोबल हो रहे स्थानीय उत्पाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्थानीय विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 के माध्यम से राजस्थान के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा रहा है। यह नीति स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाते हुए प्रदेश में रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए हर गाँव, तहसील और जिले के समग्र स्थानीय विकास पर जोर दिया है। उनके अनुसार वोकल फॉर लोकल, सबका साथ-सबका विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। ओडीओपी नीति के माध्यम से लोकल से ग्लोबल का सपना साकार हो रहा है और राजस्थान के उत्पाद विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

इस नीति के तहत राज्य के प्रत्येक जिले में उत्पाद का चयन किया गया है, जिससे स्थानीय संसाधनों और कौशल का बेहतर उपयोग हो सके। साथ ही, प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखते हुए प्रमुख उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएं। इस नीति के माध्यम से गांवों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है तथा उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, वित्तीय सहायता और बाजार तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नीति के अंतर्गत उद्योगों को मार्जिन मनी अनुदान, एडवांस टेक्नोलोजी और सॉफ्टवेयर खरीदने, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने पर पुनर्भरण सहायता प्राप्त होगी।

राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में इस नीति के तहत नए लघु एवं सूक्ष्म ओडीओपी उद्यम स्थापित करने के लिए परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत (अधिकतम 25 लाख रुपये) तक मार्जिन मनी सब्सिडी देय है। साथ ही, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के तकनीकी उन्नयन के लिए नवीनतम तकनीक एवं सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 5 लाख रुपये) की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। एक जिला-एक उत्पाद नीति में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्रों और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर किए गए खर्चों के लिए 3 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान है। साथ ही, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने के लिए दो साल तक प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण भी देय है। टेक्नोलॉजिकल अपग्रेडेशन को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्थानों से एडवांस्ड टेक्नोलॉजी या सॉफ्टवेयर खरीद पर 5 लाख रुपये तक 50 प्रतिशत सब्सिडी मुहैया कराई जाती है।

मिट्टी के नीचे दबने से तीन बच्चों की मौतः पुलिस

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में तीन बच्चों की मिट्टी के नीचे दब जाने से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब बच्चे सुरंग बनाकर खेल रहे थे और अचानक ऊपर की मिट्टी धंस गई। नेछवा के थानाधिकारी कैलाश चंद ने बताया कि गनेड़ी गांव में सोमवार दोपहर जब चार बच्चे खेत में मिट्टी के टीले के नीचे सुरंग बनाकर खेल रहे थे, उसी समय अचानक ऊपर का हिस्सा धंस गया एवं उसके नीचे तीन बच्चे दब गए। चंद के अनुसार कृष्ण नामक एक बच्चा सुरंग के बाहर था तथा उसके चिल्लाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और फंसे बच्चों को निकाला। थानाधिकारी के मुताबिक लेकिन तब तक तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान होलश मेघवाल (10), गौतम सैनी (14) और दीपेश नायक (12) के रूप में हुई है।

राजस्थान में कई जगह आंधी, बारिश

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते बीते चौबीस घंटे में राजस्थान में कई जगह आंधी चली और बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य के कुछ भागों में आंधी-बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक बारिश कोटा के लाडपुरा में 34 मिलीमीटर तथा नागौर के मूंडवा में 24 मिलीमीटर हुई। इसके अनुसार, आज मंगलवार को गंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू जिले, शेखावाटी क्षेत्र तथा जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने तथा कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं एक अप्रैल को उदयपुर, कोटा संभाग में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है जबकि शेष भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा।

सीमावर्ती इलाके में तीन नई रेल लाइनों के लिए काम जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेल मंत्रालय ने राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में तीन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं पर काम शुरू किया। अधिकारियों का कहना है कि इन परियोजनाओं के मूर्त रूप लेने से इस रेगिस्तानी राज्य के सीमावर्ती इलाकों में न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि यहां आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में रेल नेटवर्क को और सुदृढ़ करने के लिए राजस्थान में बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर क्षेत्रों में नयी रेल लाइनें बिछाने के प्रस्तावों पर काम चल रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार प्रस्तावित तीन रेल लाइनों में अनूपगढ़-खाजूवाला, जैसलमेर-बाड़मेर-भीलड़ी तथा खाजूवाला-जैसलमेर रेल लाइन शामिल है। पाकिस्तान की सीमा से सटे अनूपगढ़ कस्बे और ऐतिहासिक बीकानेर शहर को रेल संपर्क से जोड़ने के लिए 187 किलोमीटर लंबी नयी रेल लाइन के 2277 करोड़ रुपये के काम के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बन चुकी है और यह मंजूरी के आगामी चरण में है।

इसी तरह सीमावर्ती इलाके में जैसलमेर-भाभर/भीलड़ी वाया बाड़मेर नयी रेल लाइन की लंबाई 380 किलोमीटर होगी। जबकि खाजूवाला-जैसलमेर प्रस्तावित रेल लाइन की लंबाई 260 किलोमीटर होगी। इन दोनों के लिए 'फाइनल लोकेशन सर्वे' का काम चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर व गंगानगर के सीमावर्ती इलाके अब भी आवागमन के लिए मुख्य रूप से सड़क मार्ग पर निर्भर हैं। यहां रेल लाइन बिछाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। अमित सुदर्शन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,इन प्रस्तावित परियोजनाओं के पूरा होने के बाद दूरदराज के क्षेत्रों में रेलवे नेटवर्क और भी मजबूत होगा। राज्य के बाकी हिस्सों के साथ-साथ पूरे देश से इनकी कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में रेलवे नेटवर्क का विकास न केवल मौजूदा आर्थिक गतिविधियों को बल देता है, बल्कि नए अवसर भी पैदा करता है जिससे समग्र विकास और प्रगति की गति तेज होती है।

उल्लेखनीय है कि रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले दिनों रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2026-27) पर संसद में हुई चर्चा का जवाब देते हुए भी उक्त परियोजनाओं का जिक्र किया था। उन्होंने सीमावर्ती और सामरिक क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी पर दिए जा रहे विशेष जोर को रेखांकित किया। अनूपगढ़-खाजूवाला, जैसलमेर-बाड़मेर-भीलड़ी तथा खाजूवाला-जैसलमेर नई रेल लाइन परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जो सैन्य परिवहन और क्षेत्रीय विकास दोनों को बढ़ावा देंगी।

दौसा, करौली के किसानों को दिन में सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध होगी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घोषणा की है कि दौसा और करौली जिलों के किसानों को जल्द ही दिन के समय सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इन दोनों जिलों के दो ब्लॉकों में यह सुविधा शुरू होने के बाद राज्य के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा सोमवार रात अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य सरकार ने सभी जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। संशोधित बजट 2024-25 में इसे चरणबद्ध तरीके से 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्तमान में 22 जिलों के कृषि उपभोक्ताओं को दो ब्लॉकों में दिन के समय बिजली मिल रही है। दौसा और करौली को जयपुर डिस्कॉम के तहत शामिल करने के बाद यह संख्या बढ़कर 24 हो जाएगी। फिलहाल जयपुर डिस्कॉम के सात जिलों धौलपुर, बूंदी, कोटा, झालावाड़, जयपुर, डीग और भरतपुर में किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली मिल रही है। इसी तरह अजमेर डिस्कॉम के तहत अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, उदयपुर, सलूम्बर, राजसमंद, बांसवाड़ा, झुंझुनूं, सीकर, चित्तौड़गढ़ और डूंगरपुर समेत 12 जिले शामिल हैं। वहीं जोधपुर डिस्कॉम के तहत जालौर, सिरोही और पाली ज़िले भी इस सुविधा का लाभ ले रहे हैं।

बयान में कहा गया कि हाल के वर्षों में दौसा और करौली में बिजली ढांचे को मजबूत किया गया है। दौसा में 18 नए 33 केवी ग्रिड सबस्टेशन बनाए गए हैं, जबकि करौली में छह सबस्टेशन स्थापित किए गए हैं। दौसा के 47 सबस्टेशनों में ट्रांसफॉर्मर क्षमता 128.95 मेगावोल्ट-एम्पीयर और करौली के 15 सबस्टेशनों में 49.45 मेगावोल्ट-एम्पीयर तक बढ़ाई गई है। इसके अलावा पीएम-कुसुम योजना के तहत दोनों जिलों में कुल 32 मेगावॉट क्षमता वाले 17 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं। कुल 87,801 कृषि उपभोक्ता (दौसा में 52,460 और करौली में 35,341) इस दिन की बिजली आपूर्ति से लाभान्वित होंगे। यह कदम विशेषकर कठिन मौसम में किसानों को देर रात सिंचाई करने की आवश्यकता कम करेगा। साथ ही जंगली जानवरों से होने वाले खतरों से बचाव होगा और किसान अपने परिवार के साथ अधिक समय बिता सकेंगे।

दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों को पोर्टफोलियो किट और खेल सामग्री का किया वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय सांभर लेक जयपुर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं द्वारा दरबार सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांभर में आयोजित प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह में आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों का स्वागत किया।

उन्होंने आंगनबाड़ी के बच्चों को पोर्टफोलियो किट (बच्चों के लिए रंग, वॉटर बोतल, खिलौने) आदि प्रदान किये। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोर्टफोलियों खेल सामग्री का वितरण इस उद्देश्य से किया जाता कि बच्चें खेल खेल में सीखे।बच्चों को आंगनबाड़ियों में स्वस्थ सुरक्षित एवं सीखने का माहौल मिल सके।

समारोह में सांभर उपखण्ड अधिकारी ऋषि राज कपिल, उपनिदेशक आईसीडीएस श्रीमती पार्थवी शर्मा, उपनिदेशक महिला अधिकारिता राजेश डोगीवाल, कार्यक्रम प्रभारी आरपीएस सपना मौर्य तथा सीडीपीओ प्रिया कुमावत एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने एक बच्चे के जन्मदिन एवं आंगनबाड़ी में प्रवेश उत्सव पर केक काट कर स्टॉल का अवलोकन किया, जिसमें भामाशाहों से प्राप्त सामग्री एवं खिलौने आदि का वितरण किया गया। स्टॉल में विभिन्न आयामों पर आधारित कॉर्नर्स बनाए गए जिसमें आसपास के वातावरण में उपलब्ध सामग्री से निर्मित सहायक शिक्षण सामग्री तैयार कर प्रदर्शित की गई व बताया गया कि बच्चों को खेल खेल के माध्यम से स्कूल शिक्षा के लिए तैयार किया जा रहा है।

कार्यक्रम में 6 वर्ष पूर्ण करने वाले बच्चों को समग्र प्रमाण पत्र (ईसीसी ईसर्टिफिकेट) दिए गए। साथ ही कार्यक्रम में उन भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय में सहयोग प्रदान किया। भामाशाह द्वारा प्रदान सांभर परियोजना के 3 से 6 वर्ष के पंजीकृत 1 हजार 600 बच्चों के लिए पोर्टफोलियो किट, पानी की बोतल, खिलौने इत्यादि वितरित किए गए। आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपने बाल मनोभाव से देशभक्ति के गानो पर नृत्य प्रस्तुति दी।

उपमुख्यमंत्री ने विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का अवलोकन किया। अधिकारियों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को खेल-खेल में प्रदान की जा रही है शालापूर्व शिक्षा के बारे जानकारी दी गई। दिया कुमारी ने बच्चों क लिए आंगनबाड़ी केंद्र पर तैयार किया जा रहे हैं गर्म पोषाहार के बारे में भी जाना।

डबल इंजन की सरकार प्रदेश के समग्र एवं सतत विकास के लिए कर रही निरंतर काम : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को जोधपुर के लूणावास खारा में पशु चिकित्सालय सहित 62.50 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के समग्र एवं सतत विकास के लिए निरंतर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बजट 2026-27 गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति सहित सभी वर्गों के कल्याण और उत्थान को समर्पित है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर राजस्थान की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर बनाना है।

विधि मंत्री ने कहा कि प्रदेश के शैक्षणिक उन्नयन के लिए बजट में 69 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो 2023-24 से 35 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए 2 हजार करोड़ रुपये की राशि से विद्यालय आधारभूत संरचना कोष की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि 1 हजार करोड़ रुपये का व्यय कर 400 विद्यालयों को सीएम राइज विद्यालय के रूप में क्रमोन्नत किया जाएगा। पटेल ने कहा कि वीबी-जी राम जी योजना के तहत 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत इस वर्ष 4 हजार करोड़ रुपये का व्यय राज्य कोष से किया जाएगा। इसे आवश्यकता एवं मांग के अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि 2 वर्षों में विधानसभा क्षेत्र लूणी में 19 अरब से भी अधिक राशि के विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लूणी में 186 लाख रुपये से पशु चिकित्सालयों का निर्माण कराया जा रहा है। विद्यालयों के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीजीडी संस्थाएं प्रतिदिन तीन हजार परिवारों को डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ें : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को प्रतिदिन औसतन ढाई हजार से तीन हजार परिवारों तक पाइपलाइन के माध्यम से घरेलू गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो चुकी है, वहां के परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ना केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मंगलवार को सचिवालय में राज्य में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के शीर्ष स्तर के अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ डीपीएनजी संरचना की स्थिति तथा डीपीएनजी सुविधा से जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने वर्चुअल बैठक में स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो गई है, वहां क्षेत्रवासियों को एलपीजी से पाइपलाइन गैस सुविधा से जोड़ना केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं। साथ ही इन क्षेत्रों की औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को भी पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस कनेक्शन से जोड़ा जाना है।

वी. श्रीनिवास ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को एलपीजी से डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया

जाए। उन्होंने कहा कि डीपीएनजी की सस्ती दर, 247 सेवा उपलब्धता, बुकिंग की झंझट से मुक्ति, सुरक्षित, स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा जैसे लाभों के बारे में व्यापक जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग डीपीएनजी सेवाओं से जुड़ सकें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के 17 भौगोलिक क्षेत्रों में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

उन्होंने बताया कि सीजीडी संस्थाओं को तीन माह में पीएनजी कनेक्शनों की संख्या एक लाख 25 हजार से बढ़ाकर 5 लाख करने का लक्ष्य दिया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव अम्बरीश कुमार ने बताया कि राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा राज्य सरकार स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है। बैठक में राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने डीपीएनजी कनेक्शनों की वर्तमान स्थिति एवं भावी कार्यक्रम की जानकारी दी।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और मानवीय मूल्यों से प्रेरित शिक्षा देने का कर रहे प्रयास : दिलावर

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर मंगलवार को उदयपुर प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने बड़गांव पंचायत समिति की ग्राम पंचायत वाटी, बड़गांव और बेदला में आईआईएफएल फाउंडेशन द्वारा निर्मित राजकीय विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों, कंप्यूटर लैब सहित अन्य सुविधाओं का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर वाटी में समारोह को संबोधित करते हुए दिलावर ने कहा कि संस्था ने बहुत अच्छा और गुणवत्तापूर्ण कार्य किया है। स्थानीय विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम भी सराहनीय रहा है। उन्होंने दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

उन्होंने बच्चों से कहा कि मेवाड़ की वीर भूमि के महापुरुषों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत शिक्षा मिलें हमारा यह प्रयास है।

आध्यात्मिक विरासत के साथ विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं उप्र और मप्र : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को यहां कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश साझा संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के साथ विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

यादव ने मंगलवार को यहां आयोजित 'एमपीयूपी सहयोग सम्मेलन 2026' के दौरान अपने सम्बोधन में कहा कि यह सम्मेलन भविष्य की आर्थिक, औद्योगिक और पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं को मजबूत आधार देगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के बीच भौगोलिक रिश्ते होने के साथ-साथ सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक संबंध रहे हैं तथा दोनों राज्य साझा विरासत के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यादव ने कहा कि इस क्रम में आज आयोजित एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन भविष्य की संभावनाओं को आधार प्रदान करेगा।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री यादव ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान दोनों राज्यों के उद्योगपति, कुटीर, लघु एवं मंझोले उद्योगों के प्रतिनिधि कारीगर और अधिकारी मौजूद थे।

यादव ने बताया कि सम्मेलन में सबसे अहम समझौता काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट के बीच हुआ है। उन्होंने बताया कि इस सहमति का उद्देश्य मंदिर प्रबंधन, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाना है।

नालंदा विवि का पुनरुद्धार गौरव पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार गौरव पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक : मुर्मु

राजगीर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं और कहा कि इस संस्थान से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को मानवता की ''साझा विरासत'' प्राप्त होती है।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''यहां से स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों को दो चीजें मिलती हैंडिग्री और विरासत। डिग्री जहां उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, वहीं उन्हें मानवता की साझा विरासत भी मिलती है।'' उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी हैं, जो 30 से अधिक देशों से आए हैं।

राष्ट्रपति ने समारोह से पहले पौधारोपण अभियान में भी हिस्सा लिया और विश्वविद्यालय की 'नेट-जीरो' लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। 'नेट जीरो' उत्सर्जन का मतलब है कि जो जितना कार्बन उत्सर्जन करता है, उतना ही कार्बन खत्म करने की व्यवस्था भी करे। 'नेट जीरो' का मतलब यह नहीं है कि कार्बन का उत्सर्जन शून्य हो जाएगा।

मुर्मू ने कहा, ''यह परिसर 'नेट-जीरो' कैंपस बनने की दिशा में स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उच्च शिक्षण संस्थानों को उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व करना चाहिए।''

राष्ट्रपति ने अपने दौरे की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में बने 'विश्व मित्रालय' भवन के उद्घाटन से की। यह अत्याधुनिक भवन लगभग दो हजार लोगों की क्षमता वाला है और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राष्ट्रपति नालंदा विश्वविद्यालय की 'विजिटर' भी हैं। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके गौरवशाली विरासत को आधुनिक स्वरूप में पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

बिहार के नालंदा जिले में मंदिर में भगदड़ मचने से आठ श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल, थानाध्यक्ष निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिहारशरीफ/भाषा। बिहार के नालंदा जिले में दीपनगर थानाक्षेत्र के मघड़ा गांव में प्राचीन शीतला माता मंदिर में मंगलवार को भगदड़ मचने से कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना के बाद मंदिर परिसर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल नजर आया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। भगदड़ के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बिहारशरीफ के सहायक पुलिस अधीक्षक नूरुल हक ने कहा, मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ के दौरान कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं थीं। इस घटना में कई श्रद्धालु घायल भी हुए हैं। पुलिस बल और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान की जा रही है।

नालंदा के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शुभम कुमार ने पत्रकारों से कहा कि मंदिर में अत्यधिक भीड़ के कारण यह हादसा हुआ होगा। उन्होंने कहा, इस घटना में आठ श्रद्धालुओं की मौत हुई है और पांच से अधिक लोग घायल हुए हैं।

आरक्षण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बसपा सरकार की जरूरत : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन 'बहुजन सरकार' के बिना संभव नहीं है।

उन्होंने सत्ताधारी सरकारों पर इन प्रावधानों को कमजोर करने का आरोप लगाया। यहां बसपा के प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारें आरक्षण को 'अप्रभावी और निष्क्रिय' बना रही हैं। उन्होंने हाशिए के समुदायों से जुड़े संवैधानिक सुरक्षा उपायों को कमजोर किए जाने की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, ''बहुजन समाज की सरकार के बिना आरक्षण को सही इरादे और नीति के साथ लागू करना असंभव है।'' बसपा के एक बयान के अनुसार, मायावती ने बेरोजगारी और गरीबी जैसे गंभीर मुद्दों को हल करने के बजाय खोखले नारों पर निर्भर रहने के लिए सरकार पर निशाना साधा। उप्र जैसे बड़े और आर्थिक रूप से पिछड़े राज्य में 'रोजी-रोटी' की स्थिति बिगड़ रही है, जबकि सरकारें 'बयानबाजी और वादों' के जरिये लोगों की कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारें नारों और घोषणाओं के माध्यम से भूख, गरीबी और बेरोजगारी से निपटने की कोशिश कर रही हैं।''

रीजीजू ने एफसीआरए संशोधन विधेयक पर विपक्ष के दावों को 'झूठ' करार दिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कहा कि एफसीआरए संशोधन विधेयक का उद्देश्य किसी धार्मिक संगठन को निशाना बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा एवं हितों के खिलाफ विदेशी धन के इस्तेमाल को रोकना है। रीजीजू ने यहाँ भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों के साथ बातचीत में कांग्रेस और वामपंथी दलों पर तीखा हमला बोला तथा उन पर एफसीआरए में प्रस्तावित संशोधन को लेकर झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाया।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि विधेयक को लेकर उनके दावे ''पूरी तरह से झूठे, मनगढ़ंत और गुमराह करने वाले'' हैं। विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम में संशोधन के लिए 25 मार्च को लोकसभा में एक विधेयक पेश किया गया, जिसमें सरकार ने यह स्पष्ट किया कि विदेशी धन के ज़रिए ज़बरन धर्म परिवर्तन कराने में शामिल व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 पेश करते हुए, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि इस कानून का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और विदेशों से प्राप्त धन का उचित उपयोग सुनिश्चित करना है। विधेयक को लेकर विपक्ष के दावों के बारे में पूछे जाने पर रीजीजू ने कहा, ''केरल में वामपंथी दल और कांग्रेस ने कुछ अफ़वाहें फैलाई हैं कि भारत सरकार विभिन्न धार्मिक संगठनों की गतिविधियों को रोकने के लिए एफसीआरए संशोधन विधेयक ला रही है।''अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा, ''प्रस्तावित संशोधन विधेयक केवल भारत में विदेशी धन को विनियमित करने और किसी भी अवैध गतिविधि में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाया गया है।''

असम चुनाव घुसपैठियों को बाहर निकालने और उग्रवाद के काले बादल हटाने के बारे में है : ईरानी

धेमाजी (असम)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने असम में हमेशा अवैध प्रवासियों को बचाने और राज्य को उग्रवाद के काले साये के तहत लाने का काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार राज्य में विधानसभा चुनाव ''देश से प्रत्येक घुसपैठिए को बाहर निकालने'' के बारे में है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में हर मोर्चे पर प्रगति सुनिश्चित की है और अब विकास की इस गाथा में महिलाएँ विशेष रूप से आगे हैं।

सिस्सीबोरगांव निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार जीबन गोगोई के लिए चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ईरानी ने कहा, ''यह चुनाव किसी को विधायक बनाने या हिमंत विश्व शर्मा को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के बारे में नहीं है।'' पंद्रह अगस्त, 2004 के धेमाजी धमाके का ज़िक्र करते हुए भाजपा नेता ने कहा, ''ये बेकसूर लोग थे, जिन्हें मार डाला गया। उनकी क्या गलती थी? राज्य पर ऐसा काला साया छा गया कि निर्दोषों को अपनी जान गंवानी पड़ी।'' इस धमाके में स्कूली बच्चों सहित 13 लोगों की जान गई थी। ईरानी ने कहा कि राज्य अब एक ऐसे दौर में पहुँच गया है जहाँ हर कोई बिना किसी डर के राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकता है, जिसका श्रेय केंद्र और राज्य की मौजूदा सरकार को जाता है। कांग्रेस पर घुसपैठियों को बचाने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने सवाल उठाया कि यह पुरानी पार्टी और विपक्ष में उसके सहयोगी चुनाव से पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ क्यों हैं।

कांग्रेस ने असम के युवाओं की प्रतिभा, क्षमताओं का दुरुपयोग किया : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेजपुर (असम)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को असम में एक चुनावी रैली में कांग्रेस पर राज्य के युवाओं की प्रतिभा और क्षमताओं का ''दुरुपयोग'' करने का आरोप लगाया तथा लोगों से पार्टी को कभी माफ न करने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को केवल बांग्लादेशी घुसपैठियों की फिक्र है और उसने अपने शासनकाल में असम के साथ सौतेला व्यवहार किया।

मौजूदा विधायक और सहयोगी असम गण परिषद (अगप) के तेजपुर से उम्मीदवार पृथ्वीराज रावा के समर्थन में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''कांग्रेस ने हमेशा असम के युवाओं, उनकी प्रतिभा और क्षमताओं का दुरुपयोग किया है। उसे माफ नहीं किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस की एकमात्र चिंता बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं, जिनका इस्तेमाल वह अपने वोट बैंक के लिए करती है। राजनीति केवल सरकार गठन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए की जानी चाहिए।''

सिंह ने दावा किया कि बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण असम के कुछ जिलों में जनसंख्या संतुलन बिगड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस शासन के दौरान दिल्ली ने असम को दूर रखा... आजादी के बाद से कांग्रेस ने असम के अधिकारों का हनन किया है।''

सिंह ने दावा किया कि भाजपा शासन में असम में 7,500 से अधिक उग्रवादियों ने हथियार डाला और वे मुख्यधारा में शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने कहा, ''भाजपा ने भ्रष्टाचार का खात्मा किया और चाय बागान श्रमिकों को भूमि अधिकार देकर न्याय दिलाया... असम में राजग को दो-तिहाई बहुमत मिलने से कोई नहीं रोक सकता।''

'शोले' जैसा मंजर: युवती से शादी की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, पुलिस ने बचाया

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। बॉलीवुड की मशहूर फिल्म शोले के एक प्रसिद्ध दृश्य की याद दिलाने वाली एक नाटकीय घटना के तहत उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में 23 वर्षीय युवक अपनी मौसेरी बहन से शादी करने की मांग करते हुए एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

हालांकि, यह युवक 'शोले' के वीरू (जिसकी बसंती से शादी करने की इच्छा पूरी हो गई थी) जितना भाग्यशाली नहीं रहा और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि मामला थाना तिलहर क्षेत्र के गांव कछियानी खेड़ा का है जहां रामपाल कश्यप का 23 वर्षीय बेटा राजू पाल अपनी मौसेरी बहन से शादी की जिद पर अड़ गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब आठ साल से युवती से एकतरफा प्यार करता था, लेकिन लड़की के परिवार ने उसके साथ रिश्ता जोड़ने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि परिवार के इनकार से नाराज होकर राजू गांव में लगे मोबाइल टावर पर चढ़ गया और कूदने की धमकी देने लगा। मौके पर भीड़ जुट गई और माहौल पूरी तरह 'फिल्मी' हो गया।

पाक व लंदन में स्थित अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करें गौरव गोगोई : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई को पाकिस्तान और ब्रिटेन में स्थित संपत्तियों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की चुनौती दी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने को लेकर यहां आयोजित कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में शर्मा ने जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से सांसद गोगोई से कहा कि वह विदेशों में अपनी संपत्तियों की सूची निर्वाचन आयोग को सौंपें। उन्होंने कहा, '' गोगोई ने न तो पाकिस्तान से अपनी पत्नी की आय विवरण दिया है और न ही पड़ोसी देश में उनके बैंक खाते का उल्लेख किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्पष्ट रूप से आरोप लगा रहा हूं कि गोगोई की पाकिस्तान और लंदन दोनों जगह संपत्तियां हैं, जबकि राइजोर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई ने यह भी आरोप लगाया है कि उनकी (गौरव गोगोई) अमेरिका में भी संपत्ति है। उन्होंने कहा, यह मेरा आरोप नहीं है, लेकिन मैं चाहता हूं कि गौरव गोगोई निर्वाचन आयोग के शपथपत्र में पाकिस्तान में अपने लेन-देन का विवरण प्रस्तुत करें। शर्मा ने कहा कि वे ये आरोप पूरी जिम्मेदारी के साथ और बतौर मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि गोगोई के पास अपनी पत्नी के नाम पर पाकिस्तान और लंदन, दोनों जगह संपत्तियां हैं, जिनका उल्लेख उन्होंने निर्वाचन आयोग को दिए गए शपथपत्र में नहीं किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यदि कोई संपत्ति नहीं है, तो उन्हें अपनी पत्नी के पाकिस्तान स्थित बैंक खाते के लेन-देनभले ही वे पुराने ही क्यों न होचार निष्पक्ष व्यक्तियों के समक्ष प्रस्तुत करने चाहिए। इसके लिए उन्होंने चार पत्रकारों के नाम भी सुझाए। उन्होंने आगे कहा, ये चारों व्यक्ति बैंक खातों की जांच करें और जनता को बताएं कि क्या यह सही है या मैं झूठ बोल रहा हूं।

अवैध रूप से गुर्दा प्रतिरोपण कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ : सरगना समेत छह गिरफ्तार

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर पुलिस ने मंगलवार को कई निजी अस्पतालों के जरिए कथित तौर पर अवैध गुर्दा प्रतिरोपण कराने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उसके सरगना तथा पांच चिकित्सकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि ये गिरफ्तारियां सोमवार देर रात कल्याणपुर इलाके में निजी चिकित्सालयों---मेड-लाइफ अस्पताल, आहूजा अस्पताल और प्रिया अस्पताल में एक साथ की गई छापेमारी के बाद हुईं। उन्होंने बताया कि यह छापेमारी स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर की गई थी जिसका नेतृत्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरिदत्त नेमी कर रहे थे। लाल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में डॉक्टर प्रीति आहूजा (50), उसके पति डॉक्टर सुरजीत सिंह आहूजा (54) तथा अर्धचिकित्साकर्मियों-- राजेश कुमार (44), राम प्रकाश (40) और नरेंद्र सिंह शामिल हैं।

भाजपा अवैध मतदाताओं को शामिल करने की कोशिश कर रही है : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अवैध मतदाताओं के नाम राज्य की मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रही है ताकि चुनाव परिणाम को अपने पक्ष में मोड़ा जा सके। बनर्जी ने पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोना में एक चुनावी रैली में यह बात कही। उन्होंने रैली में अपनी अपील दोहराई कि जनता इस पर ध्यान न दे कि विधानसभा क्षेत्रों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार कौन हैं बल्कि उन्हें ही (ममता बनर्जी को) सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार मानें।

तृणमूल प्रमुख ने कहा, '' कल अभिषेक (बनर्जी) ने मुझे बताया कि नए मतदाताओं को शामिल करने के लिए एक ही दिन में लगभग 30,000 फॉर्म जमा होने की सूचना मिलने पर उन्हें अपने चुनाव प्रचार कार्यक्रम के बीच से ही कोलकाता स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय जाना पड़ा।'' उन्होंने आरोप लगाया, '' भाजपा बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अवैध मतदाताओं को बंगाल की मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रही है। वे बिहार की तरह ही रेल के माध्यम से बाहरी मतदाताओं को लाने की योजना बना रहे हैं।'' इस बीच ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिखकर तीखे लहजे में कहा कि जिनका बंगाल से कोई वैध संबंध नहीं है, उनसे संबंधित फॉर्म 6 के आवेदन अवैध, असंवैधानिक और मौलिक रूप से अलोकतांत्रिक हैं, जो दुर्भावनापूर्ण इरादे को दर्शाते हैं।

आरसीबी में आया है ठहराव, खिलाड़ियों को अपनी भूमिका पता है : कृणाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के कृणाल पंड्या का कहना है कि टीम में पिछले साल की तुलना में ठहराव आया है और खिलाड़ियों को इस सत्र में अपनी भूमिकाओं के बारे में बखूबी पता है ।

आरसीबी ने 2025 में 18 साल में पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीता था और पंजाब किंग्स के खिलाफ फाइनल में कृणाल प्लेयर आफ द मैच थे जिन्होंने चार ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लिए थे । आरसीबी ने मैच छह रन से जीता था । कृणाल ने टीम द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा ,'' मेरा मानना है कि इस साल अधिक ठहराव आया है । पिछले साल यह नई टीम थी और सभी एक दूसरे को समझ रहे थे । इस साल खिलाड़ियों को अपनी भूमिका, एक दूसरे की ताकत और कमजोरी बखूबी पता है ।''

उन्होंने कहा ,'' जब मैं बड़े मौकों पर खेलता हूं तो मुझे लगता है कि अगर भगवान आपको यहां तक लाये हैं तो कोई कारण होगा और मुझे लगता है कि ये बड़े मौके मेरे लिए ही बने हैं । मुझे दबाव महसूस होता है लेकिन मैं सोचता हूं कि कैसे शांतचित्त रहूं और जरूरत के मुताबिक खेलूं ।'' उन्होंने विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा ,'' विराट अच्छा उदाहरण हैं । आप उसकी जीत की भूख और जुनून देख सकते हैं । विराट कोहली किसी भी पीढी में पैदा होते, वह महानतम खिलाड़ियों में ही होती । उनका किसी

किसी और को अपनी सीमायें तय मत करने दो : शीतल देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुनी गई दुनिया की नंबर एक शीतल देवी का मानना है कि यह सम्मान बरसों की कड़ी मेहनत, नाकामियों और चुपचाप किए गए बलिदानों को दर्शाता है और उनका फलसफा यही है कि किसी और को अपनी सीमायें तय करने नहीं दें ।

दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज शीतल को विश्व तीरंदाजी ने सोमवार को वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जो उनकी असाधारण उपलब्धियों में एक और इजाफा है । बैंकॉक में एक टूर्नामेंट में भाग ले रही शीतल ने भाषा से खास बातचीत में कहा ,'' यह अद्भुत है । दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों में नामांकन मिलना ही खास था और यह पुरस्कार जीतना यादगार और बहुत खास है । यह हर घंटे की कड़ी मेहनत, हर नाकामी और चुपचाप किए गए बलिदानों को दर्शाता है ।'' जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ की 19 वर्ष की पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने दक्षिण कोरिया में 2025 विश्व पैरा तीरंदाजी चैम्पियनशिप में गत चैम्पियन और तत्कालीन नंबर एक तीरंदाज तुर्की की ओजनुर क्यूरे को हराकर खिताब जीता था । वह विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली पहली भुजाहीन महिला तीरंदाज भी बनी । शीतल ने कहा ,'' यह माता रानी का आशीर्वाद है और उनकी कृपा मुझ पर हमेशा रहती है । मैं अपने परिवार, कोच , टीम और मेरे साथ विकट परिस्थितियों में भी खड़े रहने वाले हर व्यक्ति को इसका श्रेय देती हूं ।''

उदीयमान खिलाड़ियों को क्या सुझाव देंगी, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि सभी को संयम के साथ प्रक्रिया पर भरोसा करते हुए आगे बढना चाहिए । उन्होंने कहा ,'' किसी और को अपनी सीमायें तय मत करने दो । आपका सफर अपना है जिसमें संयम बनाये रखते हुए प्रक्रिया पर भरोसा रखो और हर दिन बेहतर करने की कोशिश करो । किसी में कोई कमी नहीं होती बस थोड़ी मेहनत की कमी होती है ।'' अपने कैरियर की अब तक की सबसे बड़ी चुनौती के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि पिछले साल नई तकनीक सीखना सबसे चुनौतीपूर्ण था । उन्होंने कहा ,'' नई तकनीक सीखना आसान नहीं था । उस समय नतीजे नहीं मिल रहे थे और लोग मेरी काबिलियत पर संदेह करने लगे थे ।'' उन्होंने कहा ,'' मैने समारोहों में जाना और इंटरव्यू देना बंद कर दिया जिससे सवाल और संदेह बढते गए । मैने अपना पूरा फोकस ट्रेनिंग पर लगा दिया । इससे मुझे दृढता मिली और आत्मविश्वास भी ।''

सुविचार

भरोसा करना सीखें, लेकिन आँखें बंद करके नहीं। विवेक का इस्तेमाल हर मोड़ पर जरूरी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या ऐसे बनेंगे विश्वगुरु?

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की यह टिप्पणी कि 'देश को विश्वगुरु बनना था, लेकिन वह तो विश्वचेला बन गया', निंदनीय है। आजकल कई नेता और अन्य लोग इसी टिप्पणी को दोहरा रहे हैं। इन्हें अपने देश को दूसरों से कमजोर साबित करने में क्या आनंद आता है? स्वस्थ आलोचना करनी चाहिए। इसका हमेशा स्वागत होना चाहिए, क्योंकि यह हमें बेहतर बनने में मदद करती है। वहीं, बार-बार खुद की क्षमता पर संदेह करने, हमेशा नकारात्मक सोचने से कोई बेहतरी नहीं आती। भारत किसी समय विश्वगुरु था। तब नालंदा, तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों में देश-विदेश के विद्यार्थी अध्ययन करते थे। आज ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में पश्चिमी देशों का दबदबा है। भारत के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन वह लगातार आगे बढ़ रहा है। इस देश ने डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष अनुसंधान समेत कई क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन कर दुनिया को अचंभित किया है। भारत अपनी समस्याएं जानता है। यहां लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए बहुत प्रयास करने होंगे। अगर इसके साथ देश विश्वगुरु बनने का लक्ष्य रखता है तो इसमें क्या बुराई है? क्या हमें सदैव अपनी समस्याएं गिनाते रहना चाहिए? क्या हम इससे विश्वगुरु बन जाएंगे? भगवंत मान कहते हैं, 'देश को आजाद हुए करीब 80 साल हो चुके हैं, लेकिन अब भी बुनियादी समस्याएं जस की तस हैं। ... विदेशों में लोग मंगल ग्रह पर जाने की बात कर रहे हैं, जबकि हम शहरों में सीवर के ढक्कन तक नहीं लगा पाए हैं।' अगर तथ्यों की बात करें तो पंजाब के मुख्यमंत्री ने ज्यादा गलत नहीं कहा है। भारत में समस्याएं तो हैं, लेकिन 'जस की तस' नहीं हैं। जिन्होंने साठ और सत्तर का दशक देखा है, उनसे पूछें, 'उस समय खाद्यान्न की क्या स्थिति थी?' आज भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है। हमारे किसान कई देशों के पेट भर सकते हैं।

जिन्होंने अस्सी का दशक देखा है, उनसे पूछें, 'उस समय टेलीफोन का कनेक्शन कैसे मिलता था और कितने दिनों में मिलता था? सीमेंट कैसे मिलती थी? अगर ब्याह-शादी होती तो चीनी की एक बोरी लेने के लिए कितनी जगह धक्के खाने पड़ते थे?' उनसे पूछें, 'उस समय किसी को स्कूटर खरीदना होता तो क्या प्रक्रिया थी? अच्छी कलाईघड़ी लेने जाते तो कितने दिन बाद नंबर आता था? बैंकों की क्या स्थिति थी? कितने आम लोग बैंकों में अपने खाते खुलवा सकते थे? अगर शहर में नौकरी कर रहा कोई व्यक्ति गांव में अपने मां-बाप को रुपए भेजता तो कितने दिन लगते थे और क्या शुल्क था? जब कभी बाढ़-अकाल के हालात होते और केंद्र सरकार आम लोगों को आर्थिक सहायता भेजती तो बिचौलिए कितना हिस्सा डकार जाते थे?' यह कहना बहुत आसान है कि भारत में कुछ नहीं बदला, समस्याओं का ढेर लगा हुआ है। वास्तव में ऐसा नहीं है। नब्बे के दशक तक टेलीफोन आम आदमी की पहुंच से दूर था। साइकिल खरीदने से पहले दस बार सोचना पड़ता था। कई अच्छे धारावाहिकों से करोड़ों लोग इसलिए वंचित रह गए, क्योंकि उनके पास टीवी नहीं था। अक्सर चीजों की किल्लत बनी रहती थी। लोग इसके अभ्यस्त हो गए थे। क्या आज वैसी स्थिति है? नहीं, भारत बहुत आगे बढ़ चुका है, कई गुणा बेहतर स्थिति में है। बतौर मुख्यमंत्री, भगवंत मान के पास कई अधिकार और शक्तियां हैं। उन्होंने पंजाब का कितना विकास कर दिया? क्या वहां के स्कूल अमेरिका-चीन के स्कूलों को टक्कर देने लगे हैं? क्या पंजाब से बेरोजगारी दूर हो गई है? क्या उन्होंने युवाओं को नशे से निजात दिला दी है? याद करें, वे दृश्य जब अमेरिका से कई भारतीय नागरिक अपमानजनक तरीके से स्वदेश भेजे गए थे। उनमें कितने लोग पंजाब से थे? क्या पंजाब से अब लोग विदेश जाने के लिए गलत तरीके नहीं अपना रहे हैं? अपने देश की व्यवस्थाओं से जुड़ी कमियां गिनाना आसान है। यह तो हर कोई कर सकता है। जिन लोगों के पास शासन से जुड़े अधिकार हैं, उन्हें कोरी बातें बनाने से पहले कुछ करके दिखाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भाजपा महिला मोर्चा, राजस्थान के सभी नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं! मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के नेतृत्व में नारी शक्ति संगठित होकर राज्य के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

-भजनलाल शर्मा

भारत की बेटी शीतल देवी को वर्ष 2025 की 'पैरा आर्चर ऑफ द ईयर' चुने जाने पर अपार बधाई और शुभकामनाएं। जम्मू-कश्मीर की यह बेजोड़ प्रतिभा आज देश की करोड़ों बेटियों और युवाओं की नई प्रेरणा बन गई है। आपकी उपलब्धियां स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गई हैं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

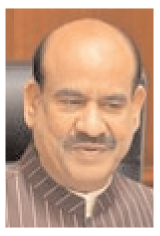

नालंदा, बिहार स्थित शीतला माता मंदिर में भगदड़ से हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। इस दुखांतिका में असमय जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें, तथा घायल जन शीघ्र सकुशल हो।

-ओम बिडला

प्रेरक प्रसंग

वीरता से आज़ादी की रक्षा

एक बार रोम पर दुश्मनों ने हमला कर दिया। दुश्मन ने चारों तरफ की सीमाएं घेर लीं। रोम के लोगों ने तय किया कि लड़ाई मोल लेना ठीक न होगा, दुश्मन को कुछ सोना देकर युद्ध से बचा जा सकता है। सभासदों ने लोगों से सोना और हीरे-जवाहरात एकत्र करने की अपील की। सोना तोलकर एक जगह ढेर लगाया जाने लगा। उसी वक्त एक नौजवान वहां आया और तराजू पर तलवार फेंकते हुए बोला, 'आप लोग यह कायराना काम क्यों कर रहे हैं? क्या आजादी की रक्षा इस तरह की जाती है? सिंह को जब एक बार लहू का स्वाद मिल जाता है तो फिर वह ताउम्र पीछा नहीं छोड़ता। सोने के टुकड़े देकर मांगी गई आजादी स्थायी नहीं होती। धन देकर आजादी को ज्यादा दिन नहीं बचाया जा सकता।' फिर क्षणभर रुककर उसने नवजवानों की ओर देखा और कहा, 'साथियो ! आइए हम सब बहादुरी से एक साथ चलकर दुश्मनों को यह बता दें कि हमें सोना देकर आजादी नहीं चाहिए, बल्कि आजादी की खातिर तो हम सब हंसते-हंसते अपनी जान भी कुर्बान कर सकते हैं।' रोमन लड़ाकों जब यह ललकार सुनी तो वे युद्ध के लिए तैयार हो गये।

सामयिक

आज जब हम नक्सलवाद मुक्त देश की स्थिति पर पहुंचे हैं तो विचार करना पड़ेगा कि आखिर यह समस्या इतनी बढ़ी कैसे? गरीबी व्यक्ति के अंदर असंतोष पैदा करता है किंतु माओवाद विचारधारा है जो हथियार की बदौलत सत्ता पर कब्जा करने और बदलने का संघर्ष है। ईमानदारी से विश्लेषण करेंगे तो निष्कर्ष यही आएगा की गरीबी के कारण नक्सलवाद या माओवाद नहीं बढ़ा बल्कि लोगों को भड़का कर बरगला कर हथियार थमाये गये। यही वहां के गरीबी के कारण बन गये। उन्होंने अस्पताल, स्कूल जला दिए, सड़कें तोड़ दिए, खदान बंद कराया, लेवी लेकर अपनी ष्टि से चलवाया, जंगलों में मछली पालन से लेकर अन्य काम बंद हो गए लोगों का बाहर जाना बंद कर दिया तो उनके सामने गरीबी और तंगहाली में आंसू बहाकर जीने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

नक्सलवाद से यूँ ही मुक्त नहीं हुआ देश

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में घोषणा की कि लाल आतंकी परछाई हट गई है। यह ऐसी घोषणा है जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। वास्तव में 30 मार्च भारत के लिए ऐतिहासिक दिन माना जाएगा। जब गृह मंत्री ने पिछले वर्ष घोषित किया था कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सली आतंक से मुक्त हो जाएगा तो एक्टिविस्टों, पत्रकारों, नेताओं, एनजीओ चलाने वालों, बुद्धिजीवियों आदि की बड़ी फौज ने अलग-अलग तरीकों से उनका निशाना बनाना, उपहार उड़ाना और प्रच्छन्न तरीके से विरोध आरंभ कर दिया था। गृह मंत्री ने घोषणा की कि 2024 तक नक्सलियों की शीर्ष केंद्रीय कमेटी और पुलिस ब्यूरो में 21 मुख्य कैडर थे जो पूरे नेटवर्क को चलाते थे। इनमें से एक पकड़ा गया, सात ने आत्मसमर्पण किया और 12 मारे गए तथा एक फरार है। उसके साथ भी आत्मसमर्पण के लिए बातचीत चल रही है। वस्तुत: वह मिसिर बेसरा है जो झारखंड के सारंडा जंगलों में अपने 50 साथियों के साथ छिपा है। वह आत्मसमर्पण करता है या मारा जाता है तो हथियारों के बल पर संघर्ष करने वालों की सूची समाप्त हो जाएगी। थोड़े शब्दों में कहें तो नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है।

जरा सोचिए, 2014 में जो नक्सल प्रभावित जिले 126 थे, वे अब घटकर मात्र 2 रह गए हैं। वे भी केवल नाम मात्र के। रेड कॉरिडोर या लाल गलियारा के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र में 12 राज्य और 70 प्रतिशत भूभाग शामिल था। आप यूपीए शासन काल को याद करिए, जब भी आंतरिक सुरक्षा का सम्मेलन होता था राज्यों के पुलिस प्रमुखों, गृह सचिवों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के भाषण में यह पंक्ति रहती ही थी कि आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माओवाद है। अब भविष्य में आने वाले प्रधानमंत्री को भी इस पंक्ति के प्रतिध्वनित करने की आवश्यकता नहीं होगी। आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के विरोधी हों या समर्थक कम से कम देश को नक्सलवाद से मुक्त करने, व्यापक क्षेत्र के गरीबों-जनजातियों को वास्तविक स्वतंत्रता दिलाने, उनकी जिंदगी में आशा और खुशियां पैदा करने तथा देश की मुख्य धारा के साथ जोड़ने के इस अकल्पनीय लगने वाले अवसर पर कम से कम साधुवाद दीजिए।

पिछले लगभग 12 वर्ष की नक्सलवाद या माओवाद विरुद्ध मोदी सरकार की नीति का मूल्यांकन करेंगे तो एक निष्कर्ष यह आएगा कि राजनीतिक नेतृत्व के अंदर समस्याओं को लेकर संवेदनशीलता व सही समझ हो, उसके अंत करने के उपाय के प्रति दृष्टि साफ और संकल्प शबद्धता हो तो परिणाम ऐसा आ सकता है। इसका दूसरा अर्थ हुआ कि पूर्व की सरकारों में न समझ थी, न दृष्टि और संकल्पबद्धता का तो प्रश्न नहीं था। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा केवल 30 मार्च को दिए गए लोकसभा के वक्तव्य ही नहीं इसके पूर्व जितने भाषण व वक्तव्य हैं उन सबमें सरकार की दृष्टि और संकल्पबद्धता स्पष्ट थी। उनसे पता चलता है कि इतनी बड़ी उपलब्धि कैसे हासिल हुई? इस सुखद स्थिति के पीछे कई स्तरीय रणनीति थी। सख्त सुरक्षा कार्रवाई, माओवादियों से संपर्क कर उन्हें आत्मसमर्पण और सामान्य जीवन में आने के लिए प्रेरित करने का सतत अभियान, उनका आर्थिक ढांचा तोड़ना, क्षेत्र की विकास गतिविधियों के साथ स्थानीय लोगों से संपर्क एवं उनके अंदर सुरक्षा मिलने का आश्वासन पैदा करना। सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकवाद बन चुके बड़े नक्सली नामों को संघर्ष में समाप्त किया। सुरक्षा कार्रवाइयों के दबाव में हजारों का आत्मसमर्पण हुआ। आर्थिक कमर तोड़ने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय को दायित्व दिया गया, जिससे नक्सलियों से अवैध करोड़ों जब्त किए गए। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले दर्ज हुते और नक्सलियों को धन देने वालों को गिरफ्तार किया गया। इसके समानांतर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के लिए बजट आवंटन में 300 प्रतिशत की वृद्धि की गई। प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क लगे , सड़कें बनीं, राशन की दुकानें खुलीं ,स्कूल चलाने की कोशिश हुई, स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गई, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। संघ परिवार द्वारा पहले से चलाए गए एकलव्य स्कूलों को प्रोत्साहन मिला, रोजगार प्रशिक्षण के लिए आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए। सुरक्षा बलों के साए में सांस्कृतिक-धार्मिक-सामाजिक गतिविधियों में लोगों को शामिल करने की कोशिश हुई और उनके अंदर का भय मिटता गया तथा उनका भी सहयोग मिलने लगा। संदेश था कि सरकार की प्रतिबद्धता शत-प्रतिशत है और फिर सुरक्षा बलों ने पूर्व का रक्षात्मक व्यवहार त्याग कर आक्रामक रणनीति अपनाई। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु सहाय और गृह मंत्री विजय शर्मा के भी भूमिका रही। आत्मसमर्पण नीति लागू की गई, जिसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। सरकार ने हर गांव तक पहुंच बनाई। इस दृष्टि से विचार करें तो सरकार के पास सुरक्षा और विकास दोनों की समग्र नीति थी जिसकी परिणति हमारे सामने है। क्रूरता, निर्दयता और दमन करने के आरोप लगाने वालों के सामने गृह मंत्री ने लोकसभा मैं आंकड़ा देते हुए कहा कि सन 2024 से अब तक 706 नक्सली मारे गए जबकि उनकी तुलना में 2218 गिरफ्तार किए गए तथा 4849 में आत्म समर्पण किया। यह आंकड़ा अपने आप बताता है कि सरकार संवेदनशीलता के साथ काम किया। बात सीधी है और जैसा गृह मंत्री ने कहा कि मैं 50 बार कह चुका हूं कि हथियार डाल दो सरकार पुनर्वास की व्यवस्था करेगी। हथियार नहीं डाले तो जो गोली चलाएगा उसका जवाब गोली से मिलेगा यही सरकार की नीति है। वोट की जगह बुलेट से शासन नहीं चल सकता।

आज जब हम नक्सलवाद मुक्त देश की स्थिति पर पहुंचे हैं तो विचार करना पड़ेगा कि आखिर यह समस्या इतनी बढ़ी कैसे? गरीबी व्यक्ति के अंदर असंतोष पैदा करता है किंतु माओवाद विचारधारा है जो हथियार की बदौलत सत्ता पर कब्जा करने और बदलने का संघर्ष है। ईमानदारी से विश्लेषण करेंगे तो निष्कर्ष यही आएगा की गरीबी के कारण नक्सलवाद या माओवाद नहीं बढ़ा बल्कि लोगों को भड़का कर बरगला कर हथियार थमाये गये। यही वहां के गरीबी के कारण बन गये। उन्होंने अस्पताल, स्कूल जला दिए, सड़कें तोड़ दिए, खदान बंद कराया, लेवी लेकर अपनी दृष्टि से चलवाया, जंगलों में मछली पालन से लेकर अन्य काम बंद हो गए लोगों का बाहर जाना बंद कर दिया तो उनके सामने गरीबी और तंगहाली में आंसू बहाकर जीने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। आज इस बात का उत्तर दिया जाना चाहिए कि आखिर क्यों कई करोड़ लोग वर्षों तक नक्सलवादी आतंक के साए में जीवन जीते रहे, करीब 30 हजार लोगों की जान चली गई जिनमें 5000 सुरक्षा कर्मी भी शामिल थे? स्वतंत्रता के बाद से कांग्रेस का शासन था तो आखिर उन क्षेत्रों में गरीबी क्यों रही? नक्सलवाद पैदा होने और उसके विस्तृत होने के लिए किसे दोषी माना जाएगा? 1967 में बंगाल के नक्सलवादी से आरंभ या आंदोलन आखिर इतना भयानक कैसे हो गया कि सरकार की पहुंच उन क्षेत्रों में समाप्त हो गई? प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1969 में कांग्रेस के राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी नीलम संजीव रेड्डी को हराने के लिए बीबी गिरी को उम्मीदवार बनाया जो कम्युनिस्टों के सहयोग से जीत गए। केवल 1971 के एक ही वर्ष में 3620 हिंसा की घटनाएं हुई।नक्सलियों के पास से बरामद हथियारों की जांच से पता लगा कि 92 प्रतिशत सुरक्षा बलों और थानों से लूटे गए थे। यह कैसे संभव हुआ? सरकार की नीतियां सही होती तो तिरुपति से पशुपतिनाथ तक इतना बड़ा रेड कॉरिडोर कैसे बन सकता था? अगर सत्ता का समर्थन था ही नहीं तो 5 जुलाई, 2011 को नंदिनी सुंदर और अन्य लोगों द्वारा दायर एक याचिका के बाद उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता वाली पीठ ने सलवा जुडूम के बारे में फैसला देते हुए कहा कि माओवादियों के विरुद्ध लड़ाई गैर कानूनी थी। परिणाम यह निकला कि माओवादियों ने सलवा जुडूम से जुड़े लोगों की हत्या कर दी और कांग्रेस ने सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया। इसका मतलब क्या हुआ? यह बात तो सत्य है कि राहुल गांधी ने 2018 में हैदराबाद में माओवादी घुमांडी विट्ठल राव से मुलाकात की। 2025 में कॉर्डिनेशन कमेटी ऑफ पीस के साथ मुलाकात की। हिडमा जब मारा गया, तब इंडिया गेट पर कितने हिडमा मारोगे, हर घर से हिडमा निकलेगा के नारे लगे जिसके वीडियो राहुल गांधी ने पोस्ट किया। किसी भी नेता या पार्टी को इसका उत्तर अवश्य देना चाहिए। बहरहाल, गृह मंत्री की इस घोषणा को आश्वासन माना जाना चाहिए कि सरकार मुद्दों के प्रति संवेदनशील है, वह सभी शिकायतें को सुनने के लिए तैयार और हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। किंतु देश में माओवादी हिंसा करने वालों के दिन अब खत्म हो गए हैं, हथियार उठाने वालों को हिसाब देना होगा।

नजरिया

तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व है मूर्ख दिवस

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 941670584.

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विटजरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं। मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था।

जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए।

किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है।

यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हमारे तीन जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया, संबंधित पक्षों को धन्यवाद: चीन

बीजिंग/भाषा। चीन ने मंगलवार को कहा कि तेल लेकर आ रहे उसके तीन जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं और उसने इसकी सुविधा और समन्वय के लिए संबंधित पक्षों को धन्यवाद दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक प्रेसवार्ता में ईरान का नाम लिए बिना कहा कि संबंधित पक्षों के समन्वय के बाद हाल ही में तीन चीनी जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया। उन्होंने कहा, ''हम संबंधित पक्षों की सहायता के लिए आभार व्यक्त करते हैं।''

ईरान वर्तमान में खाड़ी से जलडमरूमध्य पार करने वाले तेल के जहाजों की आवाजाही को नियंत्रित कर रहा है।

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता की अंतरराष्ट्रीय मान्यता की मांग कर रहा है। माओ ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास का जलक्षेत्र अंतरराष्ट्रीय माल और ऊर्जा व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने कहा कि चीन खाड़ी में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए शत्रुता तत्काल समाप्त करने का आह्वान करता है।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद चीन वर्षों से ईरानी तेल का एक बड़ा आयातक रहा है। चीन ने अपने जहाजों के होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के बारे में पहली बार बात की। ऐसी खबरें हैं कि ईरान घनिष्ठ रणनीतिक संबंधों को देखते हुए चीनी जहाजों को जलडमरूमध्य पार करने दे रहा है।

इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को बीजिंग में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से ईरान की स्थिति पर बातचीत की।

चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार वांग चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं। वह डार के साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे जो दोनों देशों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

इससे पहले, माओ ने कहा था कि पश्चिम एशिया युद्ध का मुद्दा डार और वांग की बैठक में उठेगा।

उम्मीद है कि डार, वांग को तुर्किये, मिस्र और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों के साथ हुई उन चर्चाओं की जानकारी देंगे, जिनका उद्देश्य अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए वार्ता को बढ़ावा देना था।डार की यात्रा पर माओ ने कहा कि चीन और पाकिस्तान आपसी विश्वास और सहयोग पर आधारित सर्वकालिक रणनीतिक सहयोगी साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश समान दृष्टिकोण रखते हैं और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर घनिष्ठ संवाद बनाए रखते हैं।

माना जाता है कि दोनों देशों के विदेश मंत्री ईरान की स्थिति और आपसी हित के अन्य अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर रणनीतिक संचार और समन्वय को बढ़ाएंगे, संयुक्त रूप से शांति और न्यायपूर्ण रुख की अपील करेंगे और संघर्ष को समाप्त करने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए नए प्रयास करेंगे।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद से, चीन सभी देशों से सैन्य अभियान तुरंत रोकने का आह्वान कर रहा है। चीन होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने का भी आह्वान कर रहा है, क्योंकि इसके बंद होने से ईंधन आपूर्ति में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ है।

ईरान पर हुए हमलों की निंदा करते हुए, चीन 14-15 मई को होने वाली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा की तैयारी भी कर रहा है, जिस दौरान दोनों देशों के बीच एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीदें बहुत अधिक हैं।

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी। मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, आप सबसे बढ़िया हैं बॉस। फराह खान ने लिखा, अरे वाह।

'आर्मी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं।

स्नाइडर ने 'आर्मी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था। इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है।

यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंज क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म्स' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

पड़ोसी देश असम को तोड़ना चाहते थे, लेकिन मोदी सरकार ने उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया: फडणवीस

डिब्रूगढ़/जोरहाट/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को दावा किया कि भारत के पड़ोसी देश असम में पहले व्याप्त अशांति का फायदा उठाकर उसे तोड़ना चाहते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने क्षेत्र में शांति कायम की, जिससे उनके सपने चकनाचूर हो गए।

फडणवीस ने एक चुनावी रैली में कहा कि असम में उग्रवाद समाप्त हो गया है और विभिन्न समूहों के साथ हुए शांति समझौतों में दिए गए 92 फीसदी आश्वासनों को पहले ही लागू किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार ने न केवल विकास सुनिश्चित किया है, बल्कि राज्य की पहचान की भी रक्षा की है।

फडणवीस ने कांग्रेस पर असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र की अनदेखी करने तथा उनके प्रति सौतेला रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षेत्र को विकास के केंद्र में रखा है।

डिब्रूगढ़ से भाजपा उम्मीदवार प्रशांत फुकन के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा, असम में पहले व्याप्त अशांति के कारण पड़ोसी देशों को लगा था कि वे एक दिन राज्य को तोड़ देंगे। लेकिन मोदी जी ने उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया और आज असम तेजी से तरक्की कर रहा है।

फडणवीस ने भाजपा सरकार को उग्रवादी समूहों को मुख्यधारा में लाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि इन समूहों के साथ न केवल शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, बल्कि उन्हें दिए गए 92 फीसदी आश्वासनों को भी लागू किया गया।

फडणवीस ने कहा, बाकी आठ प्रतिशत वादों को पूरा करने के लिए भी काम जारी है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से किए गए विभिन्न कल्याणकारी उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्र की नीति के अनुरूप महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

फडणवीस ने कहा, मोदी सरकार में महिलाओं को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। 2029 में संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण लागू होने के बाद 'महिला राज' होगा।

जोरहाट से भाजपा उम्मीदवार हितेंद्र नाथ गोस्वामी के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में असम में घुसपैठ चरम पर थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों को इसके (घुसपैठ) खिलाफ आंदोलन शुरू करना पड़ा और कई लोग शहीद हो गए।

मेन स्ट्रीम सिनेमा के मुकाबले ओटीटी पर अभिनेत्रियों के लिए ज्यादा अच्छे किरदार : भूमि पेडनेकर

नई दिल्ली/एजेन्सी

मायानगरी के सिनेमा के सपने को पूरा करने का ख्वाब अब दिल्ली में भी देखा जा सकेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पहली बार दिल्ली में हो रहा है। 31 मार्च तक चलने वाले महोत्सव में सितारों का मेला लग रहा है। सोमवार को 'टॉयलेट : एक प्रेमकथा' और 'दम लगाके हईशा' जैसी फिल्मों में लीड रोल निभा चुकीं भूमि पेडनेकर और अभिनेता मानव विज समारोह का हिस्सा बने। भूमि पेडनेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पहली बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर खुशी महसूस हो रही है। दिल्ली को इस फिल्म फेस्टिवल की सबसे ज्यादा जरूरत है, और आज सरकार और इस समारोह से जुड़े लोगों की मेहनत ने कलाकारों और निर्माताओं को बड़ा मंच दिया है। भले ही मैं मुंबईवासी हूं, लेकिन मेरा दिल दिल्ली के लिए धड़कता है। ओटीटी और सिनेमा में आए बदलाव पर अभिनेत्री ने कहा कि ओटीटी पर जितने भी किरदार एक्सपेरिमेंटल मिलते हैं, वो राइटर की बदौलत मिलते हैं, क्योंकि वो वैसे किरदारों को लिखते हैं, हमें बस सही किरदार का चुनाव करना होता है, लेकिन मेन स्ट्रीम सिनेमा में महिलाओं के लिए उतने अच्छे और एक्सपेरिमेंटल रोल नहीं मिल पा रहे हैं, जितने ओटीटी पर मिल रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि मेन स्ट्रीम सिनेमा में यह बदलाव भी जल्द से जल्द आएगा।

पंजाबी अभिनेता मानव विज भी महोत्सव का हिस्सा बने और उनकी फिल्म 'मां जाए' की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखी गई। मीडिया से बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए बहुत खास है और किरदार को जीवंत करने के लिए उन्होंने पूरी जान लगा दी थी। मुझे पता था कि फिल्म अच्छी साबित होगी, लेकिन यह नहीं पता था कि फिल्म को इतना सम्मान भी मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दिल्ली को जरूरी बताते हुए अभिनेता ने कहा, इसी महोत्सव की वजह से अच्छा सिनेमा सामने आ पाता है और दूसरों को भी अच्छी फिल्म बनाने की प्रेरणा मिलती है। आप किसी चीज की बेहतरी तभी कर सकते हैं, जब उसे बेहतर मंच मिलेगा।

सतिंदर सरताज के गाने ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी सिंगर सतिंदर सरताज ने फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'जाइए सजना' की कुछ लाइन गाकर पूरे इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। इस गाने को जैस्मीन सैंडलास के साथ मिलकर गाया गया है। गाना रिलीज होने के बाद से सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड कर रहा है। मंगलवार को अभिनेत्री अहाना कुमरा और दानिश पेंडोर 'जाइए सजना' पर खोते नजर आए। दरअसल, दोनों साथ में लॉन्ग ड्राइव पर जा रहे थे और साथ में इसी गाने पर सुर से सुर मिलाकर गाते हुए नजर आ रहे हैं। अहाना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे और अभिनेता दानिश पेंडोर नजर साथ में लॉन्ग ड्राइव पर जा रहे हैं। दोनों गाना 'जाइए सजना' को बजाकर सुर से सुर मिलाकर गा रहे हैं। अहाना कुमरा ने यह मजेदार वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। अहाना ने लिखा, हम अभी एक शानदार फुटबॉलर (दानिश) के साथ रोड ट्रिप पर हैं। गाना 'जाइए सजना' सुनते हुए इस सफर का पूरा मजा ले रहे हैं। वापस आने का तो अभी कोई प्लान ही नहीं है। हम इस गाने को बार-बार सुन रहे हैं और इसकी खूबसूरती में पूरी तरह खो गए हैं।

उन्होंने आगे लिखा, हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि हमें आदित्य धर, शाश्वत, सतिंदर सरताज और जैस्मिन जैसे बेहतरीन कलाकारों के समय में हैं। ये लोग संगीत के असली जादूगर हैं। 'धुरंधर' का यह गाना हमारे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है। हम इसे दिल से एंजॉय कर रहे हैं।

हमारी सिंगिंग के लिए माफ करना लेकिन हम पूरी कोशिश कर रहे हैं। गाना 'जाइए सजना', जिसे शशवंत सजदेव ने कंपोज किया, जैस्मिन सैंडलस और सतिंदर सरताज ने इसे गाकर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। हालांकि गाने में सिर्फ सतिंदर की आवाज की कुछ ही लाइनें थीं, लेकिन वो लाइनें ही इतनी प्रभावशाली हैं कि सुनते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ये गाना खास तौर पर रणवीर के इमोशन्स को बहुत खूबसूरती से दिखाता है क्योंकि ये लाइनें रणवीर के अंदर छुपे जज्बात और असमंजस को दर्शाती हैं। सतिंदर सरताज पंजाबी भाषा के एक शानदार सिंगर और कवि हैं।

स्ट्रीमिंग का जमाना आने से बहुत पहले, उन्होंने ऐसे गानों के लिए नाम कमाया जो पॉप ट्रैक के बजाय कविता सुनाने के ज्यादा करीब लगते हैं। सूफी फिलॉसफी से जुड़े उनके म्यूज़िक में पंजाबी लोक परंपराएं, क्लासिकल ट्रेनिंग और लिटरेरी सॉन्ग राइटिंग का मेल है।

अवार्ड

अभिनेता बसीर अली, कशिश कपूर, आकांक्षा पुरी, चाहत पांडे और नतालिया डायर मुंबई में आयोजित 'यूनिवर्सल इंडिया अवार्ड्स 2026' के दौरान।

जैकी श्रॉफ ने फिल्म 'वन टू का फोर' की सिल्वर जुबली पर शेयर की पुरानी यादें

मुंबई/एजेन्सी

क्राइम ड्रामा फिल्म 'वन टू का फोर' के रिलीज को 25 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म की कहानी दो दोस्तों पर केंद्रित होती है। फिल्म में शाहरुख, जैकी और जूही मुख्य भूमिका में थे। फिल्म के 25 साल पूरे होने पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम के जरिए पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के पुराने क्लिप्स शेयर किए। अभिनेता ने लिखा, फिल्म 'वन टू का फोर' के रिलीज को 25 साल पूरे हो गए।

वन टू का फोर वर्ष 2001 में रिलीज हुई एक बॉलीवुड ड्रामा है, जिसका निर्देशन शशिकला के नायर ने किया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में अच्छी कमाई नहीं की थी लेकिन अपनी बेहतर कहानी और प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। इसमें शाहरुख खान का किरदार दर्शकों को बहुत पसंद आया। वे बच्चों के साथ कैसे जुड़ते हैं और अपराधियों से लड़ते हैं, यह देखना रोचक था। फिल्म में ए.आर. रहमान का संगीत भी खास था।फिल्म के इस सफर ने बॉलीवुड में कई यादें छोड़ी हैं। शाहरुख खान का स्टाइल, एक्शन सीक्वेंस और बच्चों के साथ के सीन आज भी लोगों को अच्छे लगते हैं। जैकी श्रॉफ जैसे अनुभवी अभिनेता की मौजूदगी ने फिल्म को मजबूती दी।वहीं, फिल्म में जूही का भी अहम रोल था। उन्होंने फिल्म में एक अंडरकवर पुलिस अफसर की भूमिका अदा की थी, जो बाद में बच्चों की देखभाल में अरुण की मदद करती है।

फिल्म की कहानी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के ईर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में जब ड्रग्स छापे में जावेद (जैकी श्रॉफ) मारा जाता है, तो अरुण (शाहरुख खान) उसके बच्चों की देखभाल करता है। इस दौरान, वह पुलिस महकमे में छिपे भ्रष्ट अधिकारियों और एक ड्रग माफिया का पर्दाफाश करता है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, और इसके गाने, विशेष रूप से 'सोना नहीं ना सही' और 'ओसाका मुरैया' लोकप्रिय रहे थे।

'कालीदास 2' तीन अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी थ्रिलर फिल्म

चेन्नई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री में जब भी किसी हिट फिल्म का सीक्वल आता है, तो दर्शकों की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। ऐसी ही एक फिल्म है 'कालीदास 2', जो अपने पहले पार्ट की सफलता के बाद अब दर्शकों के बीच वापसी करने जा रही है। रिलीज से पहले ही इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है और अब इसे लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। दरअसल, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने इस फिल्म को यू/ए सर्टिफिकेट दे दिया है। इसका मतलब है कि फिल्म अब सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है और इसे परिवार के साथ देखा जा सकता है, हालांकि बच्चों के लिए अभिभावकों की सलाह जरूरी होगी। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी और साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया। यह फिल्म 3 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में एक और खास अपडेट शेयर किया था, जिसमें अभिनेता किशोर का फर्स्ट लुक सामने आया था। इस फिल्म में वह 'पांड्या' नाम के किरदार में नजर आएंगे। पोस्टर में उनका लुक काफी खतरनाक और रहस्यमयी दिखाया गया है। मेकर्स ने उनके किरदार को 'रॉ', 'रफ' और 'अनप्रिडिक्टेबल' करार जिया।

यह फिल्म सालों पहले आई सुपरहिट फिल्म 'कालीदास' का दूसरा पार्ट है। इसे के.सेंथिल और डॉ. एन योगेश्वरन ने प्रोड्यूस किया है। खास बात यह है कि इस फिल्म को भी सेंथिल ने ही लिखा और डायरेक्ट किया है, जिन्होंने पहले पार्ट को भी बनाया था। ऐसे में दर्शकों को उम्मीद है कि यह फिल्म भी उतनी ही दमदार होगी।फिल्म में भरत और अजय कार्थी लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा, भवानी श्री, संगीता और टीएम कार्तिक समेत कई कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। संगीता लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं, जो दर्शकों के लिए एक अलग ही रोमांच लाएगा।फिल्म के टीजर की बात करें तो, यह डरावने और भावनात्मक सीन से भरपूर है। टीजर में देखा जा सकता है कि भरत एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं; उनको एक महिला का फोन आता है, जो काफी डरी हुई है और उनसे मदद की गुहार लगा रही है। टीजर में एक वॉयसओवर भी सुनाई देता है, इसमें कहा गया है कि हर अपराध की सजा होती है, लेकिन कुछ मामलों में सजा किसी बाहरी ताकत से नहीं, बल्कि अलग तरीके से मिलती है।

अक्षय कुमार ने शेयर किया जीवन का सबसे बड़ा सबक

मुंबई/एजेन्सी

जिंदगी में अक्सर चीजें हमारी योजना के अनुसार नहीं होतीं। कई ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होती। इसलिए हमें कभी भी यह नहीं सोचना चाहिए कि कोई चीज हमारी क्षमता या पहुंच के बाहर है। इस बात को हाल ही में टीवी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के हालिया एपिसोड में अभिनेता अक्षय कुमार ने बहुत ही आसान तरीके से शो के एक कंटेस्टेंट को समझाया। दरअसल, शो के दौरान कंटेस्टेंट स्तुति ने कहा कि उसे लगता है कि कुछ लोग 'उसकी लीग' से बाहर हैं। स्तुति ने बताया कि शाहरुख खान हमेशा से उसके क्रश रहे हैं और जब शाहरुख खान ने गौरी खान से शादी की थी, तो उसका दिल टूट गया था। फिर, उसने सोचा कि अगर शाहरुख नहीं तो आर्यन खान सही, लेकिन बाद में उसे लगा कि आर्यन खान भी उसकी लीग से बहुत बाहर हैं। अक्षय कुमार ने स्तुति की इस बात को सुनकर अपनी जिंदगी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं होता। इसलिए हमें खुद पर भरोसा रखना चाहिए और हर अवसर को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी को भी यह सोचकर सीमित नहीं रहना चाहिए कि कोई व्यक्ति या सपना उसकी पहुंच से बाहर है। अक्षय ने अपनी कहानी बताते हुए कहा कि उनकी शादी ट्विंकल खन्ना से हुई है। ट्विंकल खन्ना दिवंगत सुपरस्टार राजेश खन्ना और अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की बेटी हैं। अक्षय ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए कहा, जब मैं छोटा था, तो मेरे पापा और मम्मी मुझे कंधों पर बिठाकर कार्टर रोड और बैंडस्टैंड घुमाने ले जाते थे। उस समय राजेश खन्ना जी की गाड़ी वहां से गुजरती थी। तब वे मेरे ससुर नहीं थे, सिर्फ एक बड़े स्टार थे। उस समय हम उन्हें दूर से देखा करते थे।

उन्होंने आगे कहा, किसी ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन मेरी शादी उनकी बेटी से हो जाएगी। उस समय तो मैंने भी इसकी कल्पना नहीं की थी। अक्षय कुमार ने जोर देते हुए कहा कि असल में कोई भी चीज हमारी पहुंच से बाहर नहीं होती। उन्होंने बताया कि बचपन में राजेश खन्ना को देखने वाले छोटे लड़के को आजकल लोग उनके दामाद के रूप में जानते हैं।

मैलापुर में भगवान महावीर का जन्मकल्याण उत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के मैलापुर स्थित वीएसएस जैन स्थानक में भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, गरिमा एवं आध्यात्मिक वातावरण के मध्य भव्य रूप से संपन्न हुआ। वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ, मैलापुर एवं एसएस जैन युवक संघ मैलापुर के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकाल जीव दया के अंतर्गत कबूतरों को आहार से हुआ।

प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर सहभागिता की एवं भगवान महावीर स्वामी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर ग्रीष्मकालीन जल सेवा (प्याऊ) का उद्घाटन एवं वॉटर कैन सेवा का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात श्रद्धालुओं के लिए गौतम प्रसादी, अन्नदान (नाश्ता वितरण), छाछ वितरण एवं लड्डू वितरण जैसे सेवा कार्यों का आयोजन किया गया, जो जैन धर्म के मूल सिद्धांत-अहिंसा, सेवा, त्याग एवं करुणा-को साकार रूप में प्रस्तुत करते हैं। इस पावन अवसर पर अनाथालय सेवा एवं जीव दया (गौ सेवा) जैसे जनकल्याणकारी कार्यों की भी सराहनीय पहल की गई। इस महोत्सव में मूर्तिपूजक संघ एवं तेरापंथी संघ सहित समस्त जैन समाज के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर एकता एवं सामूहिक श्रद्धा का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। संघ के मंत्री विमलचन्द खाबिया ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता में एस.एस. जैन युवक संघ के अध्यक्ष संजय सेठिया, सचिव रितेश कांकालिया, संयुक्त सचिव सिद्धार्थ रूनवाल एवं कोषाध्यक्ष कुशल कर्णावट का विशेष योगदान रहा।

बीजेस चेंगलपट्टू शाखा द्वारा अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मंगलवार को भगवान महावीर के जन्म कल्याणक दिवस पर बीजेस चैप्टर ने जी एच हॉस्पिटल, नए बस स्टॉप और पुराने बस स्टॉप पर 1100 लोगों के लिए अन्नदान किया और एक अनाथालय, एक वृद्धाश्रम और एक विकलांग अनाथालय में अन्नदान किया।

जीएच अस्पताल की अगुवाई में एसएस जैन भवन में ब्लड कैंप लगाया। 30 रक्तदान यूनिट का संचय किया गया। बीजेस चेंगलपट्टू शाखा के अध्यक्ष पदम जैन महिला अध्यक्ष आशा जैन सचिव जितेन्द्र मकाना सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

जीवदया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंगलवार को चेन्नई में भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के मौके पर एक्नोरा अहिंसा इंडिया द्वारा मरीना बीच पर कबूतरों को दाना दिया गया। संस्थान के महासचिव फतेहराज जैन ने कहा भगवान महावीर स्वामी के उपदेश मे जियो ओर जीने दो के संदेश से हमे सीख मिलती है। पक्षियों के लिए इस भीषण गर्मी से निजात दिलाने के लिए पानी पिलाने के सकोरे पानी पात्र वितरित किए जा रहे हैं। इस मौके पर गोविंदराज, तमिलमणि, दीपक, वसुंधरा, सारथी, मुथुकुमार, शशिकुमार एवं जीवदया प्रेमियों ने भाग लिया।

कोयम्बटूर में महावीर जन्मकल्याणक पर निकली शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरजी स्ट्रीट स्थित राजस्थानी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ द्वारा संचालित द्वारा बड़ा सुपार्श्वनाथ मंदिर में आज 2624 महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। आचार्यश्री हीरचन्दसूरीश्वरजी म.सा., साध्वीश्री प्रियासोम्नंजनाश्रीजी के सान्निध्य में वरघोड़ा निकाला गया। मुमुक्षु संयम श्रीपाल बाफना भी वरघोड़े में संतों के साथ चले। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुपार्श्वनाथ जैन सेवा मंडल, बालिका मंडल, महिला मंडल एवं अन्य मंडलों का अहम योगदान दिया।

धर्म सभा में सभी का स्वागत संघ के अध्यक्ष गुलाबचन्द मेहता ने किया।

यहां धर्म सभा में संतवृंदों ने अपने प्रवचन में तीर्थंकर परमात्मा महावीर भगवान के बारे मे अहम जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि जीवन में हंसते रहे और हंसाते रहे। जीवन की कठिनाईयों को हंसते हंसते पार करें।

पीपा जयंती महोत्सव आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुझल स्थित श्री पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज मंदिर के तत्वाधान मे श्री पीपा जयंती का महोत्सव का आयोजन हो रहा है।पीपाजी महाराज की 703 वीं जयंती मंदिर प्रांगण में मनाई जाएगी। समाज के अध्यक्ष जगदीश चौहान, टोडरमल पंवार, धनराज सोलंकी, नंदकिशोर गोयल, भरत मकवाना, पूनम चौहान, पंकज चौहान आदि कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। 1 अप्रैल को शाम को सुन्दरकांड पाठ एवं भजन होगा। वहीं 2 अप्रैल को सुबह पीपाजी महाराज का झांकी निकाली जाएगी, पंडितजी द्वारा हवन भी होगा दोपहर को महाआरती और उसके उपरांत भोजन प्रसाद के कार्यक्रम संपन्न होगा। सहसचिव नरेश मकवाना ने बताया कि मंदिर सजावट नंदकिशोर गोयल परिवार की तरफ से की जाएगी और महा प्रसाद के लाभार्थी गोविंदराम चावड़ा परिवार रहेगा।

मानवता के लिए आज भी प्रासंगिक वैश्विक मंत्र है भगवान महावीर के संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मकल्याणक के अवसर पर श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर)के तत्वाधान में नगर के ओराट्टुकुप्पै स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में संघ के अध्यक्ष गौतम धारीवाल की अध्यक्षता में महासचिव टाइगर खारीवाल के संयोजन में समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि के रूप में महेन्द्र रांका उपस्थित थे।विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न एकल भाषण, समूह नृत्य, एकल नृत्य एवं पारंपरिक तमिल वाद्य विल्लुपाटटु एवं नाटिका के माध्यम से जैन धर्म के पर्यावरण एवं अहिंसक सिद्धांतों को प्रतिबिंबित किया।

राजू छाजेड ने इस बार विशेष आकर्षण के तौर पर दो बच्चों को जैन मुनि के गणवेश में उपस्थित किया। अन्नदान का कार्य संघ के सचिव विक्रम बोहरा एवं कार्यकारिणी सदस्य मुकेश बोहरा ने संपादन किया। सेवा संघ के कोषाध्यक्ष विकास सुराणा ने शानदार मधुर गीतिका से सभी का मन मोहा।विक्रम रांका ने सभी प्रस्तुति देने वालो को पुरस्कार वितरित कर सम्मान किया। संघ के पूर्व अध्यक्ष बबलू ललवानी एवं कार्याध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा ने संचालन किया। संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने कहा कि सेवा संघ गत तेरह सालों से भगवान महावीर जन्मकल्याणक के अवसर पर विभिन्न सेवा कार्य का आयोजन करता आया है।

मुलाकात

चेन्नई में तमिलनाडु पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द महाराज, मुकेश कुमार जैन ने पुलिस महानिरीक्षक (आर्थिक अपराध शाखा) के संतोष कुमार आईपीएस से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच व्यापार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। स्वामी तेजानन्द महाराज ने संतोष कुमार का शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक सामायिक साधना से मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहूकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स में स्थित स्वाध्याय भवन में भगवान महावीर स्वामी का 2625 वां जन्म कल्याणक सामायिक दिवस के रुप में मनाया गया । पुनीत पावन प्रसंग पर उपस्थित स्वाध्यायीगण योगेश श्रीश्रीमाल, बाबू धनपतराज सुराणा, इंदरचंद कर्णावट, आर नरेन्द्र कांकरिया, गौतमचन्द मुणोत, कमल चोरडिया, युवक परिषद् तमिलनाडु के शाखा प्रमुख सन्दीप ओस्तवाल, महावीरचन्द बागमार, लीलमचन्द बागमार उच्छबराज गांग श्राविका मण्डल तमिलनाडु की अध्यक्ष शशि कांकरिया सुबीता व सोनल सुराणा ने दो-दो सामायिक की साधना करते हुए सामूहिक रुप से वीर स्तुति, महावीर चालीसा, हीरा चालीसा का गान किया।

वरिष्ठ स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने प्रभु महावीर के जीवन चारित्र का हृदय स्पर्शी विवेचन करते हुए बताया कि प्रभु महावीर के तीर्थंकर बनने के बाद देवताओं द्वारा समोवशरण की स्थापना के पश्चात व निर्वाण के पूर्व उपदेश विपाक सूत्र व उतराध्ययन सूत्र के रुप में उपलब्ध हैं,सभी को इनका वांचन करना चाहिए।

संघ के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने स्वाध्यायी को श्रुत सेवा के लिए साधुवाद ज्ञापित किया व बताया कि प्रभु महावीर के जन्म कल्याणक के प्रसंग पर वर्ष भर में प्रभु महावीर की अन्तिम वाणी उतराध्ययन सूत्र के वांचन करने का सामूहिक संकल्प किया गया व उपस्थित श्रावक- श्राविकाओं ने विश्व में युद्ध के कारण चल रहा हिंसा का तांडव रुके, सम्पूर्ण विश्व में शांति हो, इसलिए सामूहिक रुप से नवकार मन्त्र का जाप किया। दैनिक चिन्तन, जैन संकल्प पाठ, सामूहिक नियम, व्रत-प्रत्याख्यान गुरु सुखसाता पृच्छा पाठ व मांगलिक के साथ प्रभु महावीर जन्म कल्याणक सामायिक दिवस के रुप में सम्पन्न हुआ।

अहिंसा रैली का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अयनावरम् के एसएस जैन नवयुवक मंडल द्वारा श्रमण भगवान महावीर स्वामी का 2625 वां जन्म कल्याणक के उपलक्ष में भव्य अहिंसा रैली वह फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अहिंसा रैली का शुभारंभ एसएस जैन संघ के चैयरमैन पारसमल गादिया, मंत्री मोतीलाल ओस्तवाल व पूर्व पार्षद वासु के द्वारा जैन ध्वज दिखाकर किया गया ।

अयनावरम जैन स्थानक से शुरू होकर वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर व मुख्य मार्ग से होते हुए अयनावरम जैन भवन में संपन्न हुई। इस रैली में सभी मार्गों पर बिस्किट वितरित किया गया।

इस रैली को सफल बनाने में नवयुवक मंडल के चैयरमैन महावीर बांठिया, अध्यक्ष सुरेश दूगड़, ज्ञानचंद रांका सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

भगवान महावीर की शिक्षाओं को अमल में लाने से कल्याण सम्भव है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ एमसी रोड स्थित जैन भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म. सा. के सानिध्य व श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ व जिनेश्वर जैन नवयुवक मण्डल एमसी रोड के संयुक्त तत्वावधान में अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर का 2625 वां जन्म कल्याणक महोत्सव सामुहिक सामायिक साधना व जप तप की आराधना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने कहा कि भगवान महावीर एक असाधारण व्यक्तित्व हैं, जिनकी तुलना वास्तव में किसी से नहीं की जा सकती। सभी तीर्थंकर

बेशक समान हैं, लेकिन जिस शक्ति और आंतरिक सामर्थ्य से भगवान महावीर ने अपने कर्मों का समभाव पूर्वक सामना किया वह वास्तव में अद्वितीय और अतुलनीय है। भगवान महावीर के मार्ग पर चलने से ही विश्व में शांति संभव है। भगवान महावीर के सम्पूर्ण जीवन और उनके प्रवचनों का सम्पूर्ण सार सत्य, त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार था। अहिंसा ही सबसे बड़ा धर्म है किसी के अस्तित्व को मिटाने की अपेक्षा उसे शांति से जीने दो और स्वयं भी शांति से जियो इसी में मानव जाति का कल्याण है। हर एक प्राणी के प्रति दया रखो, घृणा से विनाश होता है। स्वयं से लड़ो, बाहरी दुश्मन से क्या लड़ना? स्वयं पर विजय प्राप्त करना लाखों शत्रुओं पर विजय पाने से बेहतर है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी। आपकी आत्मा से परे कोई भी शत्रु नहीं है। असली शत्रु आपके भीतर रहते हैं, वो शत्रु हैं क्रोध, मान, माया और लोभ। क्रोध को क्षमा से, मान को मृदुता से, माया को सरलता से और लोभ को संतोष से जीतना चाहिए।

इस मौके पर अध्यक्ष शिखरचंद बेताला ने भी विचार व्यक्त किए और सभी के प्रति आभार प्रदर्शित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिनेश्वर जैन नवयुवक मंडल के अध्यक्ष अंकुश श्रीश्रीमाल, मंत्री उत्तम गुंदेचा, उपाध्यक्ष अभिषेक कोठारी, चन्द्र कुमार भण्डारी, गौरव श्रीश्रीमाल आदि सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन मंत्री सन्तोष बोहरा ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.